



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में आर्टिस्ट-इन-रैसिडेंस कार्यक्रम के दौरान कलाकृतियों को देखा।

दैनिक राष्‍ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com



राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

सुविचार

सफलता उसी को मिलती है जो हार के बाद फिर से उठ खड़ा होता है।

नवांशहर में प्लाईओवर से बस के गिरने से 2 छात्रों समेत तीन की मौत

नवांशहर। नवांशहर में एक बस के प्लाईओवर से नीचे गिरने से 2 छात्र और कंडक्टर की मौत हो गई। हददसा सोमवार सुबह करीब 5 बजे बंगा के पास गांव मजारी में हुआ। बस मजाली से लौट रहे पर्यटक और लवली प्रोपेशनल यूनिवर्सिटी के छात्रों को लेकर अनुसूच्य आ रही थी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक हददसा इनवर्टर को नींद की झपकी आने से हुआ। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सोमवार सुबह प्लाईओवर से उतरते समय बस ड्राइवर को नींद की झपकी आ गई। इससे तेज स्पायर बस पर से उतका नियंत्रण खो गया। बस बेकाबू होकर पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे जा गिरी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। जानकारी मिलते ही पुलिस और राहत टीमें मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। राहत टीमें ने बस में फंसे लोगों को बाहर निकालने का काम शुरू किया। हदसे में घायल लोगों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हदसे में 2 छात्रों और बस कंडक्टर की मौत हुई है। हालांकि, मृतकों और घायलों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। वहीं प्रशासन ने मृतकों और घायलों की कुल संख्या की आधिकारिक पुष्टि भी नहीं की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राकांपा विधायक रोहित

पवार का आंदोलन

राजनीतिक स्टंट है: भाजपा

मुंबई। महाश्वर के पुणे में पिछले पांच दिनों से विवादक रोहित पवार के नेतृत्व में चल रहे प्रदर्शन को भाजपा ने राजनीतिक स्टंट बताया है। भाजपा के प्रदेश मुख्या प्रकाश नवनाथ बन ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रदर्शन के करीब 80 प्रतिशत राजनीतिक कार्यकर्ता शामिल हैं। बन भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रकरा वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि शुरुआती चार दिनों में रोहित पवार के आंदोलन में छात्रों की भागीदारी नहीं थी। इसके बाद उन्होंने पुणे के बाहर आपने और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को बुलाया। इनमें बाराजती एगो डे शुभारंभकर्ता के कर्मचारियों के भी शामिल होने का उन्होंने दावा किया। बन के अनुसार, करीब 200 से 250 वाहनों ने राजनीतिक दलों के झंडे और स्टिकर लगाकर कार्यक्रमों को प्रदर्शन स्थल पर लाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह भीड़ ऐसे देकर गुआई गई है। उन्होंने कहा कि रोहित पवार अब एकांगीपक्षी अध्यक्ष विवेक भीमनवार को हटाने की मांग कर रहे हैं, जबकि पेंडर लौक की घटना उनके कार्यक्रम में नहीं हुई थी। मामले में छह लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और जिस सचिव के तबादले की मांग थी, वह भी पूरी हो गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात कर उनकी मांगों पर चर्चा की है।

चंडीगढ़ के 6 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ के छह प्रतिष्ठित स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी छत्र संदेश मिलने के बाद सोमवार सुबह पूरे शहर में हड़कौप मच गया। पुलिस कंट्रोल रूम को मिले एक अज्ञात संदेश में शहर के अलग-अलग सेक्टरों में स्थित छह शिक्षण संस्थानों को निशाना बनाने की बात कही गई थी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, उच्चाधिकारी और तत्काल सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट मोड पर आ गईं और एहतियात के तौर पर सुरक्षा घेरा कड़ा कर दिया गया। कंट्रोल रूम को प्राप्त धमकी भरे संदेश में शहर के कई प्रमुख स्कूलों के नाम शामिल हैं। इनमें एयरफोर्स स्कूल (सेक्टर-31), सेंट लीजार्ड इंटरनेशनल स्कूल (सेक्टर-28), डीएनई नॉटल स्कूल (सेक्टर-15), सेंट एंटीफेस स्कूल (सेक्टर-45) और अजित स्कूल (सेक्टर-41 व 45) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त पंजाब यूनिवर्सिटी परिसर में स्थित अंगूर स्कूल को लेकर भी इसी प्रकार का धमकी भरा संदेश मिलने की सूचना सामने आई है। धमकी की खबर मिलते ही पुलिस की विभिन्न टीमों ने संबंधित सभी स्कूलों में पहुंचकर मोर्चा संगाल लिया। विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कई स्थानों पर एहतियाती कदम उठाए गए। बम निरोधक दस्ते और डीएन सीई के साथ सुरक्षा एजेंसियों ने स्कूल परिसरों, कक्षाओं और आसपास के इलाकों में गहन तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

भारत-स्विट्जरलैंड वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए मिलकर काम करेंगे : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्विस् राष्ट्रपति गाय परमेलिन के बीच हैदराबाद हाउस में बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत और स्विट्जरलैंड के बीच सोमवार को परिवहन, गतिशीलता एवं अवसरंचना, प्रवासन एवं गतिशीलता तथा युवा पेशेवरों से संबंधित नए समझौते हुए। इनमें स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा और अंतरिक्ष क्षेत्र में नए संयुक्त अनुसंधान शामिल हैं। दोनों पक्षों ने शांति, कूटनीति और वैश्विक संस्थानों के सुधार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की। दोनों देशों के बीच आज कुल पांच करार हुए। साथ ही दोनों देशों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से आयोजित भारत-स्विट्जरलैंड अनुसंधान फ्लैगशिप कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज हैदराबाद हाउस में स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाई परमेलिन के साथ व्यापक चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने आज एक्स पर बताया कि भारत के निर्यात के लिए स्विट्जरलैंड में बाजार पहुंच



बढ़ाने और दोनों देशों के बीच निवेश को और सरल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए हैं। इससे भारत के कृषि, फार्मा, कंप्यूटर और इंजीनियरिंग उत्पादों का स्विट्जरलैंड को निर्यात बढ़ेगा और हम स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाई परमेलिन के साथ व्यापक चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने आज एक्स पर बताया कि भारत के निर्यात के लिए स्विट्जरलैंड में बाजार पहुंच

बढ़ाने और दोनों देशों के बीच निवेश को और सरल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए हैं। इससे भारत के कृषि, फार्मा, कंप्यूटर और इंजीनियरिंग उत्पादों का स्विट्जरलैंड को निर्यात बढ़ेगा और हम स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाई परमेलिन के साथ व्यापक चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने आज एक्स पर बताया कि भारत के निर्यात के लिए स्विट्जरलैंड में बाजार पहुंच

विमर्श किया। उन्होंने भारत-ईएफटीए टीईपीए समझौते द्वारा आर्थिक सहयोग में उत्पन्न सकारात्मक गति को सराहा और नवाचार-आधारित साझेदारी को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। साझा वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि फरवरी में भारत ने विश्व का सबसे बड़ा एआई शिखर सम्मेलन आयोजित किया। अगले वर्ष स्विट्जरलैंड जिनेवा एआई शिखर सम्मेलन के माध्यम से इस यात्रा को आगे बढ़ाएगा। उन्हें विश्वास है कि हम सब मिलकर एआई की जिम्मेदार, समावेशी और मानवकेंद्रित बनाने की दिशा में आगे बढ़ते रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि दोनों देशों ने वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए मिलकर काम करना जारी रखने का फैसला किया है। हम इस बात से भी सहमत हैं कि बढ़ती वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए वैश्विक संस्थानों में सुधार की आवश्यकता है। स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति परमेलिन ने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग भी हमारे सहयोग का एक मजबूत स्तंभ है।

भाजपा ने उप्र से राज्यसभा के लिए आठ उम्मीदवारों के नाम किए घोषित



सामाजिक-क्षेत्रीय समीकरणों के साथ राज्यसभा के लिए उतारे गए चेहरे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने उत्तर प्रदेश में होने वाले राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव के लिए आठ उम्मीदवारों के नामों को मंजूरी दे दी है। भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय प्रभारी तरुण चूग ने सोमवार को इन आठ उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया। जिन आठ नेताओं को उत्तर प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया गया है उनमें धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पाण्डेय, प्रियंका सिंह रावत, रामप्रताप सिंह चौहान और शरुति गंगवार शामिल हैं। धर्मपाल सिंह अभी उत्तरप्रदेश सरकार में मंत्री हैं। प्रकाश पाल को हाल ही में भाजपा ने प्रदेश ओबीसी मोर्चा का अध्यक्ष बनाया है। प्रियंका सिंह रावत बाराबांकी से सांसद रह चुकी हैं और प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष हैं। राधाकांत ओझा हाई कोर्ट के अधिवक्ता हैं। विद्यासागर सोनकर एससी समाज से हैं। एक बार लोकसभा सांसद रह चुके हैं। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव 2026 के लिए नामांकन प्रक्रिया 29 सितंबर से जारी है। उम्मीदवार 6 अक्टूबर तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे। इसके बाद 7 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी, जबकि 9 अक्टूबर तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे। राज्यसभा चुनाव के लिए 16 अक्टूबर को मतदान

होगा। मतदान सुबह 9 से शाम 4 बजे तक कराया जाएगा। मतदान समाप्त होने के बाद इसी दिन शाम 5 बजे से मतगणना शुरू होगी। भाजपा ने इस सूची में जातीय समीकरण को पूरा ख्याल रखा है। इनमें जहां धर्मपाल सिंह, प्रकाश पाल और शरुति गंगवार ओबीसी वर्ग से हैं, वहीं राधाकांत ओझा और गोपी कृष्ण पाण्डेय ब्राह्मण समाज से हैं। विद्यासागर सोनकर और प्रियंका सिंह रावत दलित समाज से आते हैं। राम प्रताप सिंह चौहान राजपूत समाज से हैं। इनमें कई उम्मीदवार सांसद-विधायक रह चुके हैं तो कई संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के घोषित उम्मीदवार संगठन से लंबे समय से विभिन्न जिम्मेदारियों को निभा चुके हैं और अभी भी महत्वपूर्ण चेहरों में गिने जाते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर यह नेता अपने-अपने समाज के मतादाताओं को भाजपा को पाले में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ओबीसी से आने वाले धर्मपाल सिंह पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पार्टी के प्रमुख नेता माने जाते हैं। वर्तमान में पश्चिम उप्र की बरौली की आवंला विधानसभा सीट से विधायक होने के साथ ही योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री भी हैं। योगी सरकार के सामाजिक एजेंडे के अनुसार अपने विभाग को चला रहे हैं। इसी ओबीसी समाज से आने वाले प्रकाश पाल वर्तमान में उत्तर प्रदेश भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हैं।

वीरांगना रानी दुर्गावती ने प्रजा के सुख को ही अपना धर्म माना था : मुख्यमंत्री डॉ.यादव



खालवा में बनाए जायेंगे 6 नए सांदीपनि विद्यालय, हरसूद में बनेगा 490 सीटर कन्या छात्रावास

खण्डवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती ने प्रजा के सुख को ही अपना धर्म माना था। उनका शासनकाल कृषि, जल प्रबंधन और आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए जाना जाता है। यह रानी दुर्गावती की प्रशासनिक दक्षता का ही कमाल था कि गोंड साम्राज्य के हजारों गांव समृद्धि का केंद्र बन गए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अदम्य साहस, अटल स्वाभिमान और शक्ति की

प्रतीक थीं। उन्होंने जीवनकाल में 52 युद्ध लड़े और 51 में विजय प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि रानी दुर्गावती के दिखाए मार्ग पर चलकर हमारी सरकार प्रदेश के जनजातीय भाई-बहनों के कल्याण और विकास का एक नया अध्याय लिख रही है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव सोमवार को खंडवा जिले के हरसूद के ग्राम छेनरा में हुए वीरांगना रानी दुर्गावती की 502वीं जयंती उत्सव एवं तेंदूपता बोनस वितरण कार्यक्रम का कि गोंड साम्राज्य के हजारों गांव समृद्धि का केंद्र बन गए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलन एवं रानी दुर्गावती के चित्र पर माल्यार्पण तथा पंच कलश के जरिये गोमोपूजन

एवं बड़ादेव का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने प्रदेश के इतिहास में पहली बार गोंडवाना साम्राज्य के तत्कालीन 52 गाँवों के राजशासकों के वर्तमान वंशजों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने इन राजवंशजों को साफा पहनाकर तथा खट्वा एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मान किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने यहां खंडवा जिले के साथ लखनपुर, बड़वानी, खरगोन, देवास और हरदा के 3 लाख 54 हजार से अधिक तेंदूपता संग्राहकों को 21 करोड़ 34 लाख रुपये से अधिक की बोनस राशि का वितरण किया। इसमें खंडवा के 32 हजार 846 तेंदूपता संग्राहक भी शामिल हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने खंडवा वन मंडल क्षेत्र की 56 लाख रुपये के काष्ठ लाभार्थी की राशि भी वितरित की। मुख्यमंत्री ने खंडवा जिले में लगभग 143 करोड़ रुपये की लागत से 18 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

विख्यात संत प्रेमानंद महाराज की जान को खतरा, जेड+सुरक्षा देने की मांग



श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के अध्यक्ष ने सीएम योगी को लिखा पत्र

वृंदावन, (एजेंसी)। विख्यात संत प्रेमानंद महाराज और उनका 'राधा केलि कुंज आश्रम' पिछले कुछ दिनों से लगातार चर्चा और विवादों के केंद्र में है। दीक्षित साधक रसिक दुलारी शरण की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत और आश्रम के बाहर बच्चों के परिजनों द्वारा किए गए प्रदर्शनों के बीच अब एक नया मोड़ आ गया है। श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के अध्यक्ष दिनेश शर्मा फलाहारी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर संत प्रेमानंद महाराज को तत्काल 'जेड प्लस' (++) सुरक्षा देने और आश्रम से जुड़े कई संवेदनशील बिंदुओं की उच्चस्तरीय जांच करने की मांग की है। मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में दिनेश शर्मा फलाहारी ने आरोप लगाया है कि आश्रम के भीतर शिष्यों के बीच दो गुट बन चुके हैं, जिससे

वहां की आंतरिक व्यवस्थाएं बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने दावा किया कि जमीनों की खरीद-फरोख्त करने वाले और आपराधिक पृष्ठभूमि के लोग आश्रम की गतिविधियों में दखल दे रहे हैं। फलाहारी के अनुसार, इन तत्वों के कारण न केवल आश्रम की साख में आंच आ रही है, बल्कि संत प्रेमानंद महाराज के जीवन पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि आश्रम परिसर में गैर-कानूनी गतिविधियां संचालित हो सकती हैं, इसलिए आश्रम के सीसीटीवी फुटेज को साक्ष्य के तौर पर सुरक्षित रखवाकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। आश्रम और संत प्रेमानंद महाराज के समर्थन में रविवार शाम को राधा केलि कुंज आश्रम के बाहर बड़ी संख्या में समर्थकों के जुटने और धरना-प्रदर्शन करने की योजना बनाई गई थी। सोशल मीडिया पर इसका व्यापक प्रचार भी किया गया था। हालांकि, बाद में एक वीडियो संदेश जारी कर इस प्रदर्शन को निरस्त करने की घोषणा की गई। बताया गया कि आश्रम के प्रमुख पदाधिकारियों और वरिष्ठ संतों की बैठक में विचार-विमर्श के बाद संत प्रेमानंद महाराज ने स्वयं किसी भी प्रकार की भीड़ जुटाने या प्रदर्शन करने से बचने की सलाह दी, जिसके बाद यह कार्यक्रम टाल दिया गया। राधा केलि कुंज आश्रम के बाहर अपने लापता बच्चों की तलाश में परिजनों द्वारा किए जा रहे प्रदर्शन के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। हाथरस के सादाबाद निवासी अनुज चौधरी के बाद अब कासगंज के मयंक चौहान को भी सकुशल बरामद कर लिया गया है।

योगी सरकार शासन व्यवस्था और सनातन दोनों उत्कर्ष को प्राप्त कर रही हैं : रक्षा मंत्री

अयोध्या, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को राम नगरी अयोध्या में उदासीन ऋषि आश्रम रानोपाली श्री गुरु पर्व महामहोत्सव एवं संत सम्मेलन में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर आयोजित संत सम्मेलन एवं समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उदासीन परंपरा सनातन धर्म की वह जीवंत धारा है, जिसने सदियों से भारत की आध्यात्मिक चेतना को पोषित किया है। अयोध्या पहुंचने पर राजनाथ सिंह ने हनुमानगढ़ी और श्रीराम मंदिर में दर्शन-पूजन किया। उदासीन आश्रम में संतों ने राजनाथ सिंह का माल्यार्पण और



अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यता की एक बड़ी विशेषता यह रही है, कि यहाँ ज्ञान को

केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रखा गया। ज्ञान को परम्परा बनाया गया। उस विशेषता यह रही है, कि यहाँ ज्ञान को

संस्कार को, शिक्षा के माध्यम से, समाज के व्यवहार में उतारा गया। शिक्षा किसी भी सभ्यता की रीढ़ होती है और जब शिक्षा का माध्यम संस्कृत जैसी देवभाषा हो, तो उसका महत्व और भी बढ़ जाता है। आज जिस श्री नारायण संस्कृत महाविद्यालय को मैंने देखा, उसकी स्थापना, 1912 में बाबा श्री केशवराम जी महाराज ने की थी। यह हर्ष का विषय है कि उस परम्परा को, आज तक यहाँ के संत, यहाँ के आचार्य निभा रहे हैं। मैं इस अवसर पर, श्री महंत डॉ.स्वामी भरत दास जी महाराज को हृदय से बधाई देता हूँ। उनके नेतृत्व में यह आश्रम निरंतर प्रगति

के पथ पर अग्रसर है। ये जो पूरी परम्परा है, इसका एक महत्वपूर्ण आधार संस्कृत है। संस्कृत को केवल एक भाषा नहीं समझा जाना चाहिए। संस्कृत के पास भारत की ज्ञान-परम्परा का एक विशाल भंडार है। वेदों से लेकर उपनिषद तक, दर्शन से लेकर व्याकरण तक, आयुर्वेद से लेकर गणित तक, ज्योतिष से लेकर साहित्य तक, न्याय से लेकर मीमांसा तक, भारतीय ज्ञान-परम्परा का एक बड़ा हिस्सा, संस्कृत के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ा और विश्व की बौद्धिक परंपराओं को इसने समृद्ध किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि योगी

आदित्यनाथ सरकार से प्रदेश के सभी विद्यालयों में वैदिक गणित पढ़ाने का आग्रह करेंगे। उन्होंने कहा कि योगी सरकार के संरक्षण में शासन व्यवस्था और सनातन व्यवस्था दोनों के लोको प्राप्त कर रही हैं। अयोध्या पहुंचने पर राजनाथ सिंह ने हनुमानगढ़ी और श्रीराम मंदिर में दर्शन-पूजन किया। उदासीन आश्रम में संतों ने राजनाथ सिंह का माल्यार्पण और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। राजनाथ सिंह ने अयोध्या को केवल भौगोलिक स्थान नहीं, बल्कि चेतना, संस्कृति और सभ्यता का केंद्र बताया।



मध्यप्रदेश गौरव सम्मान से अलंकृत हुए वरिष्ठ अभिभाषक साहू कांतिलाल राठौर

भोपाल में पूर्व डीजीपी सुभाष चंद्र त्रिपाठी ने किया सम्मानित

मंदसौर। विधिक क्षेत्र में लंबे समय से सेवाएं देने वाले मंदसौर के वरिष्ठ अभिभाषक एवं पूर्व लोक अभियोजक साहू कांतिलाल राठौर को ‘मध्यप्रदेश गौरव सम्मान’ से सम्मानित किया गया। भोपाल में आयोजित भारत अवार्ड समारोह-2026 में मध्यप्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक सुभाष चंद्र त्रिपाठी ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। प्रेस क्लब वेलफेयर वर्ल्ड वाइड फाउंडेशन, नई दिल्ली की ओर से सरदार वल्लभभाई पटेल पॉलिटेक्निक कॉलेज के सभागार में आयोजित समारोह की थीम ‘सम्मान-प्रेरणा-परिवर्तन’ रही। समारोह में प्रदेश की विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं, समाजसेवियों और कानून क्षेत्र से जुड़े व्यक्तित्वों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। साहू कांतिलाल राठौर ने विधिक क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। वे लंबे समय से अधिवक्ता के रूप में सेवाएं देने के साथ पूर्व में लोक अभियोजक भी रहे हैं। विधिक सेवाओं के साथ जनसेवा और



निर्भीकता के लिए भी उनकी पहचान रही है। इससे पहले जान की परवाह किए बिना 12 लोगों की जान बचाने के साहसिक कार्य के लिए मध्यप्रदेश सरकार उन्हें राज्य स्तरीय वीरता पुरस्कार से सम्मानित कर चुकी है। मध्यप्रदेश गौरव सम्मान मिलने पर इष्ट मित्रों, शुभचिंतकों और विधिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने राठौर को

बधाई दी। राठौर ने सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान मंदसौर संसदीय क्षेत्र के उन वरिष्ठजनों को समर्पित है, जिन्होंने समय-समय पर उनका मार्गदर्शन किया। उन्होंने अपने साथियों के प्रति भी आभार जताया, जिन्होंने हर परिस्थिति में सहयोग दिया।

नपा कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू, झाड़ू लेकर निकाली रैली

15 सूत्रीय मांगों को लेकर गांधी चौराहा पर धरना, वार्ता बेनतीजा; सीएमओ ने दी कार्रवाई की चेतावनी

मंदसौर। नगर पालिका परिषद के कर्मचारियों की 15 सूत्रीय मांगों को लेकर चल रहा आंदोलन सोमवार को कामबंद अनिश्चितकालीन हड़ताल में बदल गया। सफाई कर्मचारियों ने हाथों में झाड़ू लेकर सड़कों में रैली निकाली और गांधी चौराहा पहुंचकर धरना शुरू किया। इस दौरान कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक मांगों पर ठोस और लिखित निर्णय नहीं होता, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। आंदोलनकारियों की प्रमुख मांगों में 10 से 20 वर्षों से कार्यरत कर्मचारियों का नियमितकरण, समान कार्य-समान वेतन, ठेका प्रथा समाप्त करना, 100 पुरुष और 100 महिला सफाई कर्मचारियों



की भर्ती, अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया में तेजी तथा कार्य समय का नियम शामिल है। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से मांगें उठाने और चरणबद्ध आंदोलन करने के बावजूद समाधान नहीं हुआ, जिसके चलते कामबंद आंदोलन का निर्णय लेना पड़ा। सफाई संगठन की हेमा कंडोरे और विनोद

खैरालिया ने बताया कि कर्मचारी शहर की सफाई व्यवस्था में लगातार सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उन्हें समय पर वेतन नहीं मिलने से आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वेतन में देरी के कारण बैंक पेनल्टी और सिबिल स्कोर प्रभावित होने जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। कर्मचारियों ने कहा कि

निष्काम सेवा की सुगंध, समर्पण की आभा - 79वां वार्षिक संत समागम



भोपाल। संत निरंकारी मिशन का 79वां वार्षिक संत समागम 23 से 26 अक्टूबर, 2026 तक समालम्बा स्थित संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर भव्यतापूर्वक आयोजित किया जायेगा, जहाँ हर कदम मानव कल्याण की राह पर बड़ेगा, हर भाव समर्पण में ढलेगा और हर हृदय प्रेम की उस दिव्य ज्योति से आलोकित होगा, जो मानवता को एकत्व, सद्भाव और प्रभु-भक्ति के सूत्र में पिरोने का सदेश देती है। स्वतुलसी माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सात्रिष्ठ्य में यह समागम प्रेम, सेवा, सद्भाव और मानव एकता की दिव्य भावना का

संदेश देगा। इस पावन समागम की शुभ सूचना से श्रद्धालुओं के हृदय आनंद, उमंग और प्रभु-प्रेम की अनुपम अनुभूति से प्रफुल्लित हैं।अंतर्मन में जब प्रभु का प्रकाश जागता है, तब जीवन की दिशा बदल जाती है। सेवा में समर्पण, सुमिरन में शांति और सत्संग में सत्य की अनुभूति होने लगती है। यही आत्मिक चेतना और ब्रह्मज्ञान मनुष्य को प्रेम और प्रभु-भक्ति के मार्ग पर अग्रसर करते हैं। इसी भीतर के प्रकाश और चेतना के नवजागरण की दिव्य अनुभूति से परिपूर्ण इस वर्ष का वार्षिक निरंकारी संत समागम श्रद्धालुओं के लिए एक अनुपम

आध्यात्मिक यात्रा बनेगा, जिसका प्रेरणादायी विषय है - ‘जागृति’।इस दिव्य उत्सव की तैयारियाँ श्रद्धा, समर्पण, लगन और निःस्वार्थ सेवा-भाव के साथ पूरे उत्साह से चल रही हैं। हर आयु, वर्ग और पृष्ठभूमि की सीमाओं से परे, श्रद्धालु भक्त तन-मन से सेवा में तल्लीन हैं। प्रातः की पहली किरण से लेकर संध्या के ढलते प्रकाश तक, समागम स्थल का प्रत्येक कोना सेवा, भक्ति और समर्पण की जीवंत छवि प्रस्तुत कर रहा है।कोई निर्माण कार्य में सहयोग दे रहा है, कोई शामियाने सजा रहा है, तो कोई स्वच्छता, जल व्यवस्था और भोजन सेवा को सुव्यवस्थित करने में लगा है। वहीं वार्षिक निरंकारी संत समागम की भव्यता को दर्शाता मुख्य प्रवेश-द्वार भी आकार ले रहा है, जो प्रेम, समरसता और आत्मिक एकत्व की ओर बढ़ते कदमों का प्रतीक बनकर श्रद्धालुओं का स्वागत करेगा। सेवा का यह अद्भुत दृश्य उस समर्पण की साक्षात् अभिव्यक्ति है, जो सतगुरु के ज्ञान से हृदय में जागृत होता है। वास्तव में, जब सेवा में निःस्वार्थ भाव और समर्पण जुड़ जाता है, तो साधारण से साधारण क्षण भी आनंद और उत्सव की अनुभूति से भर जाता है।।सेवा-भाव की इस अनुपम छटा को देखकर सहज ही अनुभव होता है कि सेवकों के चेहरे पर परिश्रम की थकान नहीं, बल्कि संतोष और समर्पण की दिव्य आभा झलक रही है। उनके लिए सेवा केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि सतगुरु के प्रति प्रेम और कृतज्ञता को अभिव्यक्त करने का माध्यम है।

रुनिजा पुलिस ने कार से 62.9 किलो डोडाचूरा पकड़ा, तीन तस्क़र गिरफ़्तार

झालावाड़ और लुधियाना के आरोपियों से इको कार में छिपाकर रखा मादक पदार्थ बरामद

मंदसौर। जिले की सुबसरा थाना क्षेत्र की रुनिजा पुलिस चौकी ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 62 किलो 900 ग्राम डोडाचूरा जब्त किया है। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक इको कार और तीन मोबाइल भी बरामद किए हैं। जब डोडाचूरा की कीमत करीब 1 लाख 55 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार 4 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ढाबला देवल यात्री प्रतीक्षालय के पास एक इको कार से डोडाचूरा ले जाया जा रहा है। सूचना पर रुनिजा चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक भारत कटारा के नेतृत्व में पुलिस



टीम ने मौके पर कार्रवाई की। टीम ने इको कार क्रमांक RJ20CB7893 की तलाशी ली तो विमल के थैलों और ट्रॉली बैग में कुल 62 किलो 900 ग्राम डोडाचूरा मिला। पुलिस

ने मौके से कालू सिंह पिता सरदार सिंह सोंधिया राजपूत (33) निवासी बिस्तुनिया, थाना पगारिया, जिला झालावाड़, राजस्थान, लडी पिता सौदा योगी नाथ (35) निवासी ईडब्ल्यूएस कॉलोनी, ताजपुर रोड, लुधियाना और जॉन पिता अची नाथ (31) निवासी गली नंबर 6, जी सिटी कॉलोनी, साहबवा रोड, ताजपुर, लुधियाना को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के बाद

सुबसरा थाने में अपराध क्रमांक 288/26 के तहत धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई है। पुलिस आरोपियों से डोडाचूरा के स्रोत और तस्करी

बलराम कृषि महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप, 6 अक्टूबर को जुटेंगे किसान

मंदसौर। स्थानीय कृषि उपज मंडी परिसर में आज 6 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे बलराम कृषि महोत्सव का आयोजन होगा। महोत्सव की तैयारियों को लेकर सोमवार को जिला पंचायत में बैठक आयोजित हुई। जिला पंचायत सीईओ अनुकूल जैन ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा कर सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर दिव्यांक सिंह के निर्देशन में आयोजित होने वाले महोत्सव में जिलेभर से बड़ी संख्या में किसान शामिल होंगे। कृषि एवं संबंधित विभागों के साथ आदान विक्रैताओं और कृषि यंत्र डीलरों द्वारा स्टॉल एवं प्रदर्शनी लगाई जाएगी। साथ ही किसानों के लिए संगोष्ठी और प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित होंगे। बैठक में अनुकूल जैन ने तकनीकी सत्र, कृषक प्रशिक्षण, कंट्रोल रूम, पेयजल, विद्युत, सफाई, चिकित्सा, परिवहन, मंच व्यवस्था सहित किसानों को कार्यक्रम स्थल तक लाने-ले जाने के लिए वाहनों की



व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए सभी व्यवस्थाएं समय सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महोत्सव के लिए एसडीएम शुभम पाटीदार को नोडल अधिकारी और मंडी सचिव लक्ष्मी सिंह ठाकुर को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। बैठक में एसडीएम शुभम पाटीदार, उपसंचालक कृषि रविंद्र मोदी, डिप्टी कलेक्टर शुभम, कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अंकिता पंड्या, जिला आपूर्ति अधिकारी नारायण सिंह चंद्रावत और मल्हारगढ़ जनपद सीईओ निर्देशक शर्मा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

किसान की फसल सुख रही है, सरकार किसानों को रोकने के लिए ‘दिल्ली मॉडल’ की किलेबंदी सीख रही है : जीतू पटवारी

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने प्रदेश में किसानों की बदहाल स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश का अन्नदाता आज कम बारिश, सूखती फसल, सिंचाई और बिजली संकट तथा मंडियों में फसलों के उचित दाम नहीं मिलने की दोहरी मार झेल रहा है। लेकिन किसानों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय सरकार किसानों के संभावित आंदोलन को रोकने के लिए पुलिसिया किलेबंदी की तैयारी कर रही है। श्री पटवारी ने कहा कि जुलाई में हुए मृग आंदोलन के बाद सरकार किसानों के लोकतांत्रिक विरोध से इतनी घबरा गई है कि अब राजधानी भोपाल में किसानों को रोकने की रणनीति बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली किसान आंदोलन के दौरान अपनाई गई रणनीतियों का अध्ययन कर इंटेलिजेंस स्तर पर रिपोर्ट तैयार की गई है। भोपाल के 16 प्रमुख एंटी-एग्जिट प्वाइंट्स को चिन्हित कर कंक्र्रीट ब्लॉक, कंटेयर, कटीले तार, अस्थायी बैरिकेडिंग और कंटेनमेंट जोन बनाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों के लिए 16 एंटी प्वाइंट्स पर बैरिकेडिंग नहीं, बल्कि 16 संभाग स्तरीय किसान समाधान केंद्र बनाने चाहिए थे। किसान अपनी समस्या लेकर राजधानी आए तो सरकार को उसकी बात सुननी चाहिए, न कि उसे रोकने की रणनीति बनानी चाहिए।

जेएच कॉलेज में लगेगा रोजगार मेला

8 अक्टूबर को

बैतूल। जिला रोजगार कार्यालय बैतूल एवं वर्धमान ग्रुप बुधनी के संयुक्त तत्वावधान में युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 8 अक्टूबर को जेएच कॉलेज बैतूल में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले का आयोजन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जाएगा। मेले में 5वीं से स्नातक तक शैक्षणिक योग्यता रखने वाले 18 से 26 वर्ष आयु के युवक-युवतियां शामिल हो सकेंगे। चयनित अर्थार्थियों को 12,425 प्रतिमाह से प्रारंभिक वेतन प्रदान किया जाएगा। जिला रोजगार कार्यालय ने बैतूल एवं आसपास के पात्र युवक-युवतियों से रोजगार मेले में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर रोजगार के अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का जिला स्तरीय शुभारंभ 6 अक्टूबर को

बैतूल। कलेक्टर डॉ.सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशानुसार 6 अक्टूबर को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस एवं 9 अक्टूबर को माॅपअप दिवस का आयोजन किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का जिला स्तरीय शुभारंभ 6 अक्टूबर को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गंज बैतूल में प्रातः 11 बजे किया जाएगा। इस अभियान में (1 से 19 वर्ष) के अनुमानित 556474 बच्चों, किशोर-किशोरियों को 2345 आंगनवाड़ी केन्द्रों, 2572 शासकीय शालाओं, 323 निजी शालाओं में एवं एल्बेडजॉल गोली का सेवन कराकर कृमिनाशन किया जायेगा एवं 20 से 49 वर्ष की प्रजनन आयु वर्ग की महिला 107848 जो कि गर्भवती, धात्री नहीं हैं को 6 अक्टूबर 2026 कृमि मुक्ति दिवस एवं 9 अक्टूबर 2026 माॅपअर दिवस के अलावा आगामी 15 दिवस तक आवश्यकतानुसार घर-घर जाकर छूटी हुई मलमलियों को एल्बेडजॉल गोली का सेवन कराया जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील की है कि अपने नजदीकी स्कूलों एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों को कृमि नाशक गोली का सेवन करने के लिए अवश्य भेजें।

राशन पाने वालों की सूची से अपात्रों के नाम सख्ती से हटाएं : कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन

हरदा। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने सोमवार को समय-सीमा अंकित पत्रों की समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री जैन ने खाद्य विभाग की समीक्षा के दौरान राशन प्राप्त करने वाले हितग्राहियों की सूची का परीक्षण कर अपात्र व्यक्तियों के नाम हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र परिवारों को खाद्यान्न प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए तथा अपात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। शिकायतों के निराकरण की

गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा शिकायतकर्ता की संतुष्टि के अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने सेवा संकल्प अभियान की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान प्राप्त आवेदनों का तत्परता से निराकरण किया जाए। आमजन को शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ समय पर मिले, इसके लिए विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। बैठक में मध्यप्रदेश स?क विकास निगम के अंतर्गत संचालित कार्यों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराने तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान करने के निर्देश दिए।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ

वलासीफाई विज्ञापन दरें
150/- रुपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक

स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन

राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रुपये में पूरे एक माह चलायें

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवाँच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स ज़ोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार *) आर.एन.आई. पंजीजन क्रमांक 61858-95, मो. 8602000710 , 8602000701

फिल्म अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने आयरकर छापे की खबरों पर दो सफाई गुर्बंद। अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अपने खिलाफ सामने आई आयरकर विभाग की तलाशी से जुड़ी खबरों को गलत बताते हुए सोशल मीडिया पर सफाई दी है। टटअसल, पिछले महीने ऐसी खबरे सामने आई थी कि आयरकर विभाग ने रकुल, उनके समुप और फिल्ल निर्माता वायु मंगलानी तथा गुर्बंद स्थित पैजोला रट्टिचो से जुड़े कई टिकानों पर तलाशी ली थी। अब रकुल ने इन दावों को खारिज करते हुए प्रिना तथ्यों की पुष्टि खबरे प्रकाशित करने वालों पर नाज़गजी जताई है।

दैनिक साष्ट्रीय गरिमा



www.rashtriya garima.com

मोपाल, मंगलवार 06 अक्टूबर 2026

एसयूपीपी के खिलाफ विरोध तेज, झड़प में प्रदर्शनकारी और जवान घायल इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के सियांग इलाके में प्रस्तावित सियांग अपर मल्टीपयर्स प्रोजेक्ट (एसयूपीपी) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। प्री-फिनिशिलिटी रिपोर्ट (पीएफआर) से जुड़ी गतिविधियों के दौरान रिगा और उल्बंग में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मीयों के बीच झड़पें हुई। जनकारी के अनुसार, इन झड़पों में असिस्टेंट कमांडेंट समेत सीआरपीएफ जवानों और प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं।

सार्वजनिक मुद्दों पर टकराव के बजाय बातचीत का रास्ता अपनाने की मांग की

जमात-ए-इस्लामी हिंद ने विभिन्न मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार से की मांग

नई दिल्ली। जमात-ए-इस्लामी हिंद ने सरकार से अपील की है कि वह जनहित के मुद्दों पर टकराव के बजाय बातचीत का रास्ता अपनाए। संगठन ने इब्रादतगाहों को निरंतर निशाना बनाए जाने, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक विरोध-प्रदर्शनों पर लगाई गई पाबंदियों को लेकर गंभीर चिंता जताई है। जमात मुख्यालय में आयोजित मीडिया कॉन्फ्रेंस की संबोधित करते हुए जमात-ए-इस्लामी के उपाध्यक्ष प्रो. सलीम इंजीनियर ने मतदाता सूची



के विशेष गहन पुनरीक्षण के तरीके पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि लाखों मूल मतदाताओं के खबर ने व्यापक चिंता पैदा कर दी है।

मतदाता सूची लोकतंत्र का आधार है। बड़े पैमाने पर इसमें बदलाव के लिए असाधारण पारदर्शिता, सावधानी और सुधार के लिए सुलभ व्यवस्था आवश्यक है। चुनाव से जुड़े फैसलों, भारत के चुनाव आयोग की आजादी और उसके संवैधानिक कामकाज, और वोट देने के अधिकार पर असर डालने वाले मामलों में न्यायपालिका के रवैये को लेकर उठे सवालों ने जनता के भरोसे को और कमजोर कर दिया है। लोकतांत्रिक संस्थाओं में घटना भरोसा कानून-व्यवस्था और देश की स्थिरता के लिए बड़ी चिंता का कारण बन सकता है। जमात-ए-इस्लामी हिंद ने मुख्य चुनाव आयुक्त से अपील की है कि वह वोटर लिस्ट की प्रक्रिया से जुड़ी

गंभीर चिंताओं के लिए नैतिक जिम्मेदारी लें और अगर आयोग जनता का भरोसा बनाए रखने में नाकाम रहता है, तो स्वेच्छ से पद छोड़ दें। एसआईआर प्रक्रिया को रोका जाना चाहिए, पुनरीक्षण से प्रभावित पात्र मतदाताओं की पहचान की जानी चाहिए और उनके नाम बहाल किए जाने चाहिए। प्रो. सलीम इंजीनियर ने शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक विरोध को हतोत्साहित करने के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं और पुलिस प्रतिबंधों के बढ़ते उपयोग का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को अनुमति न देना और उन्हें हिरासत में लेना, लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के लिए उपलब्ध जगह पर गंभीर

सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन नागरिकों के लिए सरकार के फैसलों और संस्थागत कार्यों पर सवाल उठाने का एक वैध लोकतांत्रिक माध्यम है। हम सरकार और पुलिस अधिकारियों से शांतिपूर्ण सार्वजनिक अभिव्यक्ति के लिए पूर्व अनुमति को अनावश्यक बनाने का आग्रह करते हैं। सार्वजनिक सुरक्षा के लिए पूर्व सूचना और उचित व्यवस्था आम तौर पर पर्याप्त होती है। हम गैर-जबूरी हिरासत और बेवुनियाद एफआईआर को खारिज करने, पुलिस के दुर्व्यवहार के आरोपों की निष्पक्ष जांच करने और दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग करते हैं।

तमिलनाडु के मदुरांतकम और धारापुरम उपचुनाव के लिए मतदान आज

चुनाव आयोग ने की खास तैयारी, मतदान के लिए सार्वजनिक अवकाश घोषित

चेन्नई। तमिलनाडु के मदुरांतकम और धारापुरम विधानसभा क्षेत्रों में 6 अक्टूबर को उपचुनाव के लिए मतदान होगा। दोनों सीटों पर सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदाता अपने मतदाधिकार का प्रयोग करेंगे। इसके लिए चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन ने आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। उपचुनाव के लिए प्रचार अभियान रविवार शाम छह बजे समाप्त हो गया था। तमिलनाा वेत्रि कड्डगम (तवेक) के समर्थन वाले कम्युनिस्ट दलों ने दोनों विधानसभा क्षेत्रों में अलग-अलग उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। इसके चलते दोनों सीटों पर पांचतरफा मुकाबला होने की स्थिति है। मदुरांतकम विधानसभा क्षेत्र में निर्दलीय उम्मीदवारों समेत कुल 28 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। मतदान के बाद मतगणना और परिणाम की प्रक्रिया चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगी। मदुरांतकम चेंगलपट्टु जिले का आरक्षित



विधानसभा क्षेत्र है, जबकि धारापुरम तिरुप्पुर जिले का आरक्षित विधानसभा क्षेत्र है। दोनों क्षेत्रों में उपचुनाव को लेकर राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों ने प्रचार के अंतिम चरण में मतदाताओं तक पहुंचने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। प्रचार समाप्त होने के बाद अब प्रत्याशी और उनके समर्थक मतदान के दिन की तैयारियों में जुटे हैं। उपचुनाव के मद्देनजर तमिलनाडु सरकार ने 6 अक्टूबर को मदुरांतकम और धारापुरम विधानसभा क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है।

शासनादेश के अनुसार, इन विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में सभी सरकारी कार्यालय, सरकारी औद्योगिक प्रतिष्ठान, सरकार के नियंत्रण वाले संस्थान और शैक्षणिक संस्थान बंद रहेंगे। सरकार ने इन दोनों विधानसभा क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों को वेतन सहित अवकाश देने का भी निर्देश दिया है। इसके अलावा मदुरांतकम और धारापुरम विधानसभा क्षेत्रों के ऐसे मतदाता कर्मचारी, जो पड़ोसी जिलों में कार्यरत हैं, उन्हें भी 6 अक्टूबर को वेतन

सहित अवकाश देने का आदेश दिया गया है। इसका उद्देश्य संबंधित कर्मचारियों को अपने मतदान केंद्र तक पहुंचकर मतदाधिकार का प्रयोग करने की सुविधा देना है। सरकार की ओर से जारी शासनादेश में 1881 के अधिनियम की धारा 25 की व्याख्या और केंद्रीय गृह मंत्रालय की आठ जून 1957 को जारी अधिसूचना का उल्लेख किया गया है। इसी आधार पर 6 अक्टूबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। इस संबंध में शासनादेश 18 सितंबर को जारी किया गया था और इसे तमिलनाडु सरकार के राजपत्र के विशेष प्रकाशन में भी प्रकाशित किया गया है। उल्लेखनीय है कि दोनों विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव की आवश्यकता पिछले विधानसभा चुनाव के बाद पैदा हुई। धारापुरम और मदुरांतकम से निर्वाचित अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड्डगम (अन्नाद्रमुक) के विधायकों ने चुनाव के कुछ ही समय बाद अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। बाद में दोनों तमिलनाा वेत्रि कड्डगम (टीवीके) में शामिल हो गए।

खूंखार मगरमच्छ के जबड़े में था भाई, भाइयों ने पानी में लड़ी डेढ़ घंटे जंग

ओडिशा के बौद्ध जिले में दो भाईयों ने मिलकर मौत के मुंह से खींच लाए जिंदगी

बौद्ध। ओडिशा के बौद्ध जिले में दो सगे भाइयों ने अदम्य साहस और भाईचारे की ऐसी मिसाल पेश की है, जिसे सुनकर हर कोई दंग रह गया। महानदी के गहरे पानी में एक विशाल और खूंखार मगरमच्छ जब उनके भाई को जिंदा निगलने की कोशिश कर रहा था, तब दोनों भाइयों ने अपनी जान की तनिक भी परवाह न करते हुए सीधे नदी में छलांग लगा दी। पानी के भीतर करीब डेढ़ घंटे तक चले रोंगटे खड़े कर देने वाले खूनी संघर्ष के बाद दोनों जांबाज अपने भाई को ससमुच मौत के जबड़े से जिंदा खींच लाए। इस रूढ़ कथा देने वाली घटना के बाद घायल युवक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दिल दहला देने वाली यह वारदात रविवार शाम हरभंगा



ब्लॉक अंतर्गत मराड़ा महानदी घाट पर घटी। मराड़ा गांव निवासी सुधीर बेहरा रविवार शाम को महानदी के किनारे शौच के लिए गए थे। उन्हें इस बात का कतई भान नहीं था कि शांत दिख रहे पानी के नीचे खूंखार शिकारी घात लगाए बैठा है। सुधीर जैसे ही पानी के किनारे पहुंचे, नदी में छिपे एक विशालकाय मगरमच्छ ने बिजली की तेजी से उन पर हमला बोल दिया। मगरमच्छ ने अपने मजबूत और नुकीले जबड़ों से सुधीर को जकड़ लिया और उन्हें

खींचते हुए नदी के गहरे पानी की ओर ले जाने लगा। अप्रत्याशित हमले के बावजूद सुधीर ने हिम्मत नहीं हारी और मदद के लिए जोर-जोर से चीखने-चिल्लाते लगे। सुधीर की दिल दहला देने वाली आवाज सुनकर उनके भाई छिबंद बेहरा और चचेरे भाई प्रमोद प्रधान फौरन घाट की तरफ दौड़ पड़े। वहां का खौफनाक मंजर देखकर किसी की भी रूढ़ कांप जाती, क्योंकि मगरमच्छ सुधीर को अपनी मजबूत गिरफ्त में दबाकर नदी की अतल गहराइयों में खींचने की कोशिश में जुटा था। सामने साक्षात मौत मंडरा रही थी, लेकिन भाइयों ने एक पल की भी देरी किए बिना सीधे गहरे पानी में छलांग लगा दी और बिना किसी हथियार के खाली हाथ खूंखार मगरमच्छ पर टूट पड़े। इसके बाद महानदी के पानी में लगभग डेढ़ घंटे तक ऐसा खूनी मुकाबला चला जो किसी की भी सांसें थाम दे।

संकटग्रस्त ग्रेट इंडियन बस्टर्ड को राजस्थान के जंगल में बसाने की तैयारी शुरू



भूपेन्द्र यादव ने राजस्थान में जैसलमेर के डेजर्ट नेशनल पार्क में छोड़े दो नर गोडावण

जैसलमेर। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने राजस्थान के जैसलमेर स्थित डेजर्ट नेशनल पार्क के सम क्षेत्र में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड यानी गोडावण के दो नर पक्षियों को जंगल में छोड़ा। इस अवसर पर राजस्थान के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा सहित केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। गोणावण राजस्थान का राजकीय पक्षी है। यही नहीं, यह भारतीय उपमहाद्वीप में पाया जाने वाला अत्यंत दुर्लभ और दुनिया के सबसे भारी उड़ने वाले पक्षियों में से एक विशाल



स्थलीय पक्षी है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार, यादव ने कहा कि यह उपलब्धि वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और जमीनी स्तर पर काम कर रहे कर्मचारियों के करीब एक दशक के निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने ग्रेट इंडियन बस्टर्ड और अन्य प्रजातियों के संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और सहयोग के लिए उनका आभार जताया। इससे भारत के ग्रेट इंडियन बस्टर्ड संरक्षण कार्यक्रम में संरक्षण-प्रजनन के जरिए व्यवहार्य आबादी तैयार करने से आगे बढ़कर पक्षियों को उनके प्राकृतिक आवास में फिर से बसाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इन पक्षियों को जंगल में छोड़ने से मिले अनुभवों के आधार पर

दिल्ली के रंजीत नगर में एसआईआर को लेकर विशेष कैंप आयोजित

नई दिल्ली। दिल्ली के रंजीत नगर में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विशेष कैंप लगाया गया है। कैंप में मतदाता सूची और एसआईआर से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। यहां पहुंचने वाले लोगों के दस्तावेजों की जांच बीएलओ और संबंधित कर्मचारियों की ओर से की जा रही है। मतदाता सूची में नाम, पता या अन्य जानकारी में सुधार से जुड़ी समस्याओं को लेकर लोगों को मौके पर ही जरूरी जानकारी और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। कैंप में लोगों को एसआईआर की प्रक्रिया, फॉर्म भरने की प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा, बीएलओ से एसआईआर की प्रक्रिया, लोगों की प्रमुख समस्याओं और उनके समाधान को लेकर बातचीत भी की जा रही है। प्रशासन की ओर से लोगों को यह सुनिश्चित करने के लिए सहायता दी जा रही है कि प्रक्रिया के दौरान पात्र मतदाताओं को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। एआरओ शिवकुमार शर्मा ने आईएनएस से बातचीत में बताया कि एसआईआर को लेकर पहले से ही तैयारी की गई थी।

BURGO
CONSTRUCTION

WHERE QUALITY MEETS INNOVATION

- ✓ CONSTRUCTION
- ✓ RENOVATION
- ✓ DESIGNING
- ✓ CONSULTATION
- ✓ PLANNING
- ✓ MANAGEMENT

CALL NOW

दीर्घकालिक एवं बहुआयामी नजरिए

मोदी ने शी से कहा कि सरहद पर शांति दोतरफा संबंधों के आगे बढ़ने की बुनियादी शर्त है। यानी ये शर्त पूरी हो, तभी दोनों देश अपने संबंध को दीर्घकालिक एवं बहुआयामी नजरिए से देख पाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की द्विपक्षीय बातचीत से भारत- चीन संबंधों में स्थिरता लाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। ब्रिक्स+ शिखर सम्मेलन में भाग लेने नई दिल्ली आए शी को मोदी से यह तीन साल में तीसरी मुलाकात थी। कहा जा सकता है कि 2020 में दोनों देशों के संबंधों में खड़े हुए एकराव के बाद इन मुलाकातों ने संबंध को काफी हद तक संभाल लिया है। 2024 में रूस के कजान में ब्रिक्स+ शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं की बातचीत से रिश्तों पर जमी बर्फ के पिघलने की शुरुआत हुई थी। शंघाई सहयोग संगठन के चीन में लियाजिन शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी- शी में बनी सहमति से रिश्ते पटरी पर लौटने लगे। शनिवार को भारतीय राजधानी में दोनों नेताओं की वार्ता से आपसी भरोसा बढ़ने का नया दौर आरंभ होने की आस जगी है। यह स्वागतयोग्य है कि दोनों नेताओं ने आपसी रिश्ते पर अपनी समझ खुलकर एक दूसरे सामने रखी। मोदी ने कहा कि सरहद पर शांति कायम रहना दोतरफा संबंधों के आगे बढ़ने की बुनियादी शर्त है। यानी ये शर्त पूरी हो, तभी चीन की यह समझ साकार हो सकती है कि दोनों देश अपने संबंध को दीर्घकालिक नजरिए से देखें। या तभी शी जिनपिंग की इस पर सोच भारत में भरोसा पैदा हो सकता है कि भारत और चीन प्रतिद्वंद्वी के बजाय सहभागी हैं और वे दोनों एक दूसरे के लिए खतरा होने के बजाय विकास के अवसर हैं। व्यापार में बढ़ोतरी, और जनता के स्तर पर संबंधों का बढ़ना तभी संभव है, जब सीमा पर की स्थिति का इस तरह प्रबंधन हो, जिससे धीरे-धीरे इस विवाद के समाधान की संभावनाएं बनें। यह निर्विवाद है कि बदलती और फिलहाल अशांत दुनिया में आबादी के लिहाज से दुनिया के दो सबसे बड़े देशों के बीच शांति एवं सहयोग का अपना महत्व है। दरअसल, ब्रिक्स+ की सफलता भी काफी हद तक इस सहयोग पर टिकी है। इसीलिए ब्रिक्स+ शिखर सम्मेलन के मौके पर मोदी- शी वार्ता सबके ध्यान का केंद्र बनी रही। यह अच्छी बात है कि दोनों नेताओं ने निराश नहीं किया।

राशिफल	
मेष राशि: आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज व्यापारियों के लिए दिन शुभ है। धन लाभ होने के आसार नजर आ रहे हैं। साझेदारी करना आज आपके लिए फायदेमंद रहेगा। जमीन से जुड़ा कोई बड़ा मामला सुलझ जाएगा। आज ऑफिस में नई पहल करने के लिए दिन अच्छा है। करियर में आज कुछ बदलाव होने वाला है, तयकरी के नए रास्ते खुलेंगे।	
वृष राशि: आज का दिन नया बदलाव लाने वाला है। प्रॉपर्टी डीलर के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, आपको अचानक धन लाभ होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज आपका स्वास्थ्य फिट रहने वाला है। इस राशि की महिलाओं को आज जीवनसाथी से सरप्राइज मिल सकता है, जिससे आपका मन प्रसन्न हो जाएगा।	
मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपके काम में आत्मविश्वास की झलक दिखाई देगी। आज आप दूसरों को अपनी बातों से प्रभावित करेंगे। कोई ठका हुआ काम अपनी ही मदद से पूरा हो जाएगा। इस राशि के छात्रों को आज प्रतियोगी परीक्षा से संबंधी कोई शुभ समाचार मिलने वाला है।	
कर्क राशि: आज का दिन सुधियां लेकर आने वाला है। पहले शुरू किया हुआ काम आज पूरा हो जाएगा। पहले किए हुए निवेश का सकारात्मक परिणाम आपको मिलेगा। आज अपना धैर्य बनाए रखें और समय के साथ चले। अपने जज्बात काबू में रखें, ज्यादा भावुक होने से बचें। आज आपको तयकरी के नए रास्ते मिलेंगे।	
सिंह राशि: आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। इस राशि के कारोबारी अपनी एगारिंग गुप्त रखेंगे, तो सफलता जरूर हासिल होगी। आज आपके सोपे हुए काम पूरे हो जाएंगे। किसी काम में निवेश करने से पहले अच्छी तरह से जांच-पड़ताल कर लें। इससे आप नुकसान से बचे रहेंगे। फालतु की शॉपिंग से बचें और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करें।	
कन्या राशि: आज किस्मत आपका पूरा साथ देगी। जीवनसाथी आज कुछ ऐसा उम्बर देगे, जिसे देखकर आपका मन प्रसन्न हो जाएगा। कारोबार में आज कुछ ऐसी बातें सामने आएंगी, जो भविष्य में फायदेमंद रहेंगी। किसी नए काम की शुरुआत करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।	
तुला राशि: आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जाएंगे, केनयोजन की स्थिति खल होगी। किसी काम से आज आपको बड़ा फायदा होने वाला है, साथ ही अक्षुप्त काम पूरा हो जाएगा। आज सख्त में इजाफा बरत को थोड़ा मुश्किल बना देगा। आज कुछ निजी काम में बहन का सहयोग उमंगी से अधिक मिलने वाला है।	
वृश्चिक राशि: आज का दिन अनुकूल रहेगा। इस राशि के लोग आज समझदारी से काम करेंगे तो आपको फायदा जरूर होने वाला है। बैकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। पदोन्नति का अवसर मिलने के आसार बन रहे हैं। आज आप आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने के लिए नया प्लान बनाएंगे। मुश्किल परिस्थिति में आज किसी मित्र का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे दोस्ती में और भी मजबूती आएगी।	
धनु राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। अगर आज कहीं यात्रा पर जा रहे हैं, तो फायदा होने वाला है। भाग-दौड़ के कारण आज आपको आलस्य महसूस होगा, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जाएगा। अगर आप यात्रा कर रहे हैं तो सभी जरूरी दस्तावेज साथ रखना न भूलें। आज आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा।	
मकर राशि: आज का दिन नई सौगात लेकर आएगा। कारोबार में वृद्धि के लिए आज का दिन शुभ है। पहले से बनी योजनाओं को लागू करना आज ठीक रहेगा। काम-पास के लोग आज आपसे खुश रहेंगे। इस राशि के जो लोग पर्टनल के क्षेत्र से जुड़े हैं, उन्हें आज आर्थिक लाभ मिलने वाला है।	
कुम्भ राशि: आज आपका दिन अस्थिर है अधिक लगा रहेगा। आज आपमें प्रेरणा अधिक रहेगी, नौकरीपेशा वालों का आज प्रभाव बढ़ेगा। इस राशि के विवाहित आज समारोह में जाएंगे, जहां किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जिससे मिलकर मन प्रसन्न हो जाएगा। किसी नए व्यापार में माता-पिता की राय कारगर साबित होने वाली है।	
मीन राशि: आज आपका दिन सुहावल रहने वाला है। काफी समय से चल रही किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या से आपको छुटकारा मिलेगा। दोस्तों के साथ आज आप पार्टी करने का मन बनाएंगे। आज आपको दूसरों से बात करते समय अपनी भाषा पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। जीवनसाथी आज प्रसन्न होने की वजह देंगे।	



बस्तर के जनजातीय बच्चे देश को दिखा रहे नई राह

धनंजय रावौर

दक्षिण बस्तर के दंतेवाड़ा जिले में जावंगा स्थित अटल बिहारी वाजपेयी एजुकेशन सिटी आज जनजातीय बच्चों के लिए शिक्षा, कौशल, खेल और आत्मविश्वास का बड़ा केंद्र बन चुकी है। इस एजुकेशन सिटी ने हिंसा और गरीबी से जूझते जनजातीय बच्चों की किस्मत ही बदल दी। कभी दूरस्थ गांवों के बच्चों के सामने सुरक्षित शिक्षा और आगे बढ़ने के अवसर की बड़ी चुनौती थी। आज यहां की बेटियां नीट पास कर डॉक्टर बनने की राह पर हैं, युवा एसएंडपी ग्लोबल जैसी बड़ी वैश्विक कंपनियों में नौकरी कर रहे हैं और खिलाड़ी मैदान परअपनी प्रतिभा निखार रहे हैं। यह उन बच्चों की कहानी है, जिन्होंने हर चुनौती को मात देकर खुद को साबित किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के जावंगा (एजुकेशन सिटी) में 9 मई 2015 को आए थे, जहाँ उन्होंने एजुकेशन सिटी का निरीक्षण किया था और छात्रों से बातचीत की थी। 150 एकड़ में फैला सपनों का शहर अटल बिहारी वाजपेयी एजुकेशन सिटी छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल है यहां स्कूल शिक्षा, आवासीय शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा से जुड़े विभिन्न संस्थान संचालित हैं। यह एजुकेशन सिटीशैक्षिक गतिविधियों तक ही सीमित नहीं है, यहएक पूरी दुनिया है। करीब 150 एकड़ में फैले इस परिसर में 43 शैक्षणिक और आवासीय संस्थाएं चल रही हैं। यहां 7,436 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं, जिनमें 4,692 बालिकाएं शामिल हैं। इनमें से 5,370 बच्चे यहीं छात्रावासो में रहकर पढ़ाई करते हैं। दूर-दराज के जंगलों और गांवों से आए इन बच्चों को सुरक्षित घर, खाना, पढ़ाई और मार्गदर्शन सब कुछ एक ही छत के नीचे मिल रहा है।

छत के नीचे मिल रहा है।

दक्षिण बस्तर के दंतेवाड़ा जिले में जावंगा स्थित अटल बिहारी वाजपेयी एजुकेशन सिटी आज जनजातीय बच्चों के लिए शिक्षा, कौशल, खेल और आत्मविश्वास का बड़ा केंद्र बन चुकी है। इस एजुकेशन सिटी ने हिंसा और गरीबी से जूझते जनजातीय बच्चों की किस्मत ही बदल दी। कभी दूरस्थ गांवों के बच्चों के सामने सुरक्षित शिक्षा और आगे बढ़ने के अवसर की बड़ी चुनौती थी। आज यहां की बेटियां नीट पास कर डॉक्टर बनने की राह पर हैं, युवा एसएंडपी ग्लोबल जैसी बड़ी वैश्विक कंपनियों में नौकरी कर रहे हैं और खिलाड़ी मैदान परअपनी प्रतिभा निखार रहे हैं। यह उन बच्चों की कहानी है, जिन्होंने हर चुनौती को मात देकर खुद को साबित किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के जावंगा (एजुकेशन सिटी) में 9 मई 2015 को आए थे, जहाँ उन्होंने एजुकेशन सिटी का निरीक्षण किया था और छात्रों से बातचीत की थी। 150 एकड़ में फैला सपनों का शहर अटल बिहारी वाजपेयी एजुकेशन सिटी छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल है।यहां स्कूल शिक्षा, आवासीय शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा से जुड़े विभिन्न संस्थान संचालित हैं। यह एजुकेशन सिटीशैक्षिक गतिविधियों तक ही सीमित नहीं है, यहएक पूरी दुनिया है। करीब 150 एकड़ में फैले इस परिसर में 43 शैक्षणिक और आवासीय संस्थाएं चल रही हैं। यहां 7,436 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं, जिनमें 4,692 बालिकाएं शामिल हैं। इनमें से 5,370 बच्चे यहीं छात्रावासो में रहकर पढ़ाई करते हैं। दूर-दराज के जंगलों और गांवों से आए इन बच्चों को सुरक्षित घर, खाना, पढ़ाई और मार्गदर्शन सब कुछ एक ही छत के नीचे मिल रहा है।इसकी वजह से स्कूल ड्रॉप-आउट की दर 50ब से घटकर महज 13त रह गई है। वो बेटियां जिनके गांवों में कभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक नहीं था, आज उन्हीं इलाकों की बेटियां नीट-यूजी पास कर डॉक्टर बनने की कतार में खड़ी हैं। छू लो आसमान कन्या आवासीय कौचिंग सेंटर, कारलरी की कई छात्राओं ने इस साल नीट-यूजी में सफलता पाई है। इन्हें राज्य के शासकीय मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस, आयुर्वेद, दंत चिकित्सा और पशु चिकित्सा में दाखिला मिला है। परीक्षा पास करने के साथ ही यह उन परिवारों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है,



जिन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि उनकी बेटी %डॉक्टर बेटी% कहलाएगी। डिजिटल क्रांति की नई कहानी डिजिटल शिक्षा की दिशा में यहां के नवगुरुकुल का प्रयास भी प्रेरक है। यहां युवाओं को आधुनिक डिजिटल कौशलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस केंद्र से प्रशिक्षित लगभग 100 युवा डेटा एनालिटिक्स और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के क्षेत्र में प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार प्राप्त कर चुके हैं। नवगुरुकुल की एक छात्रा का चयन एसएंडपी ग्लोबल में डेटा एनालिटिक्स के पद पर हुआ है। यह उपलब्धि बताती है कि बस्तर की प्रतिभा अब देश की बड़ी कंपनियों तक पहुंच रही है। आईटीआई में डीजल मैकेनिक, फिटर, वेल्डर और इलेक्ट्रिकल जैसे ट्रेड में प्रशिक्षण लेने वाले 95 फीसदी छात्र जनजातीय समुदाय से हैं। मैदान में निखर रही खेल प्रतिभाएं एजुकेशन सिटीमें पढ़ाई के साथ खेल प्रतिभाओं को भी निखारा जा रहा है। यहां के %एकलव्य खेल परिसर% में ओलंपिक स्तर का स्विमिंग पूल, हॉर्स राइडिंग, तीरंदाजी और इंडोर स्टेडियम जैसी बेहतरीन सुविधाएं मौजूद हैं। खेलो इंडिया से जुड़े इस परिसर में करीब 4,000 आदिवासी बच्चे प्रशिक्षण ले रहे हैं। ये बच्चे सिर्फ खेल नहीं सीख रहे, बल्किइनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और जीतने का जज्बा पैदा हो रहा है। बेटियों की पढ़ाई को पहली प्राथमिकता जावंगा एजुकेशन सिटी की सबसे बड़ी खूबी बालिका शिक्षा पर विशेष ध्यान है। यहां कन्या विद्यालयों और छात्रावासों के जरिए ग्रामीण बेटियां सुरक्षित माहौल में पढ़ रही हैं।

स्वामी आत्मानंद स्कूल में लगभग 1200 छात्राएं कला, विज्ञान और वाणिज्य की उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। यहां बेहतरीन आवास, भोजन, लाइब्रेरी और लैब जैसी सुविधाओं ने अभिभावकों का भरोसा जीता है। इससे दूरस्थ गांवों की उन बेटियों के सपने सच हो रहे हैं, जिन्हें पहले पढ़ाई के अवसर नहीं मिलते थे। दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जैसे इलाके जो कभी नक्सल प्रभावित थे, वहां के अनाथ और हिंसा पीड़ित बच्चों को आस्था विद्या मंदिर ने नया घर दिया है। यहां दाखिला मेरिट से नहीं, बच्चे की जरूरत और हालात देखकर होता है। इन बच्चों को सुरक्षित छत, पढ़ाई, खेल, संगीत और खुशहाल बचपन मिल रहा है। बंदूकों की गूंज के बीच पले-बढ़े ये बच्चे अब किरावों की दुनिया में अपनी नई पहचान बना रहे हैं। इस मॉडल को सबसे सराहा जावंगा एजुकेशन सिटी की कामयाबी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया है। प्रतिष्ठित संस्था केपीएमजी ने इसे दुनिया की 100 सबसे बेहतरीन (नवोन्मेषी) परियोजनाओं में शामिल किया है, जिसमें पूरे भारत से मात्र 6 प्रोजेक्ट चुने गए हैं। इस अनूठी पहल के लिए दंतेवाड़ा प्रशासन को %प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार% से भी सम्मानित किया जा चुका है। इस शिक्षा मॉडल की सफलता से प्रभावित होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी जावंगा का दौरा कर इसकी प्रशंसा कर चुके हैं।जावंगा एजुकेशन सिटी आज आदिवासी बच्चों के सपनों का परिसर बन गया है। लेखक संयुक्त संचालक, जनसंपर्क हैं।

जल के लिए सहयोग: सामूहिक प्रयास का भारत का आह्वान



बुनियादी ढाँचे और प्रदूषण कम करने के प्रयासों के साथ-साथ नदी के पर्यावरण को बहाल करने, जैव विविधता के संरक्षण और लोगों की भागीदारी पर भी ध्यान दिया गया है। इस कार्यक्रम के तहत 527 से अधिक परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 367 पूरी हो चुकी हैं। इनके माध्यम से प्रतिदिन 4,263 मिलियन लीटर सीवेज के शोधन की क्षमता तैयार की गई है। स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण से भी एक महत्वपूर्ण सीख मिलती है। ग्रामीण क्षेत्रों में 12 करोड़ से अधिक सौचालयों का निर्माण किया गया है। इससे केवल बुनियादी सुविधाओं का विस्तार ही नहीं हुआ, बल्कि हमारी माताओं और बहनों को सम्मान मिला है और लोगों के व्यवहार में बदलाव सुनिश्चित करने में भी मदद मिली है। इस मिशन के दूसरे चरण में ठोस और तरल कचरे के प्रबंधन पर भी ध्यान दिया गया है। इसके तहत घरों और सामुदायिक स्तर पर इस्तेमाल के बाद निकलने वाले पानी यानी ग्रे-वॉटर के प्रबंधन के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। इन सभी योजनाओं में एक बात समान है- ‘जनभागीदारी’। इसके पीछे यह विश्वास है कि सरकारी नीतियाँ तब सबसे अधिक प्रभावी होती हैं, जब लोग केवल योजनाओं के लाभार्थी न रहकर उनके सक्रिय भागीदार बनते हैं। जल संरक्षण के हमारे प्रयासों में भी यही दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है। ‘जल संचय जनभागीदारी’ और ‘कैच द रेन’ (‘वर्षा जल संचयन’) जैसे अभियानों के माध्यम से हमारा उद्देश्य जल संरक्षण को केवल सरकारी योजना तक सीमित न रखकर लोगों की आदत और जनआंदोलन बनाना है। जलवायु के अनुकूल जल प्रबंधन भी सफल हो सकता है, जब स्थानीय लोग इसे समझें, इसे अपनी जिम्मेदारी मानें और इसे लंबे समय तक बनाए रखें। हाल ही में हमने ‘कैच द रेन’ अभियान का गीत भी जारी किया है। भारत के अनुभव से यह भी सीख मिलती है कि जल संबंधी चुनौतियों का कोई एक समाधान नहीं हो सकता। हिमालयी राज्य

की जरूरतें किसी सूखे क्षेत्र से अलग होती हैं। इसी तरह, तेजी से बढ़ते शहर की चुनौतियाँ ग्रामीण समुदाय की चुनौतियों से अलग होती हैं। हमारे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विविध परिस्थितियों के कारण जल प्रबंधन का व्यापक अनुभव उपलब्ध है। इसमें भूजल का स्तर बढ़ाना, सिंचाई में पानी का बेहतर इस्तेमाल, पेयजल व्यवस्था का सामुदायिक प्रबंधन और इस्तेमाल किए जा चुके पानी का दोबारा उपयोग जैसे विषय शामिल हैं। जब इन अनुभवों को साझा किया जाता है, तो स्थानीय स्तर पर सफल रहे समाधान इन क्षेत्रों तक भी पहुँच सकते हैं, जहाँ उनकी शुरुआत नहीं हुई थी। यही सिद्धांत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लागू होता है। जल सुरक्षा के सभी सवालों के जवाब किसी एक देश के पास नहीं हैं। हर देश के पास कुछ ऐसा अनुभव है, जिससे दूसरे देश सीख सकते हैं, और हर देश दूसरों से कुछ सीख सकता है। इसलिए भारत अंतरराष्ट्रीय जल सासाह का उद्देश्य किसी पर समाधान थोपना नहीं, बल्कि साझेदारी को बढ़ावा देना है। इसमें जल प्रबंधन, तकनीक, वित्तपोषण और जलवायु संबंधी जोखिमों से निपटने के वैश्विक अनुभवों के साथ भारत के अपने अनुभवों पर भी चर्चा होगी। जल का प्रबंधन अलग-अलग करके नहीं किया जा सकता। जल सुरक्षा का सीधा संबंध खाद्य सुरक्षा, जनस्वास्थ्य, आजीविका, पर्यावरण सुरक्षा और सतत विकास से है। इसीलिए भारत अंतरराष्ट्रीय जल सासाह में नदी घाटियों और भूजल स्रोतों के प्रबंधन, इस्तेमाल किए जा चुके पानी के पुनः उपयोग, पानी के कुशल इस्तेमाल, मौसम एवं जल संबंधी पूर्वानुमान, समय रहते चेतावनी के तकनीकी प्रणालियों और नदियों में पर्यावरण के लिए आवश्यक जल प्रवाह जैसे विषयों पर चर्चा होगी। तकनीक इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बेहतर ऑकड़ों, वैज्ञानिक मॉडलों और डिजिटल प्रणालियों की मदद से हम समझ सकेंगे कि पानी की उपलब्धता में किस तरह बदलाव हो रहा है, संभावित

खतरों का पहले से अनुमान लगा सकेंगे और पानी का अधिक कुशलता से इस्तेमाल कर सकेंगे। लेकिन तकनीक का सबसे अधिक लाभ तभी मिलता है, जब वह सरकारों, स्थानीय संस्थाओं और समुदायों को बेहतर निर्णय लेने में मदद करे। यही वजह है कि इस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों, नए उद्यमों और युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। जल जीवन मिशन में किए जा रहे संस्थागत सुधारों के तहत ‘सुजलम भारत’ डिजिटल सार्वजनिक ढाँचे का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसका उद्देश्य ऑकड़ों और तकनीक की मदद से बेहतर योजना बनाना, जल स्रोतों को टिकाऊ बनाए रखना, कामकाज की निगरानी करना और नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप शासन व्यवस्था को बेहतर बनाना है। बुनियादी ढाँचा तैयार करने से आगे बढ़कर भरोसेमंद जल सेवाएँ सुनिश्चित करने का यह बदलाव भारत की ऐसी जल व्यवस्था बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो चुनौतियों का सामना कर सके, जवाबदेह हो और भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार हो। चुनौतियों के बढ़ते स्तर के साथ जल क्षेत्र में वित्तपोषण के तरीकों को भी बदलना होगा। सरकारी निवेश की भूमिका बुनियादी बनी रहेगी। लेकिन जलवायु के अनुकूल जल ढाँचे के निर्माण के लिए नए वित्तीय तरीकों, जिम्मेदार निजी भागीदारी और ऐसी साझेदारियों की भी जरूरत होगी, जो सार्वजनिक हित को केंद्र में रखते हुए संसाधन जुटा सकें। इसी के साथ, स्वस्थ नदियाँ, आद्रेभूमियाँ, भूजल स्रोत और प्राकृतिक परिस्थितिकी तंत्र भी हमारे जल संबंधी बुनियादी ढाँचे का हिस्सा हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा का स्वरूप अधिक अनिश्चित हो रहा है। कहीं बहुत तेज बारिश हो रही है, कहीं लंबे समय तक सूखा पड़ रहा है, तो कहीं बाढ़ और भूजल पर दबाव जैसी समस्याएँ सामने आ रही हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए जल स्रोतों को टिकाऊ बनाए रखना, बेहतर वैज्ञानिक जानकारी और पूर्वानुमान, परिस्थितियों के अनुसार ढलने वाला बुनियादी ढाँचा, मजबूत संस्थाएँ और जागरूक समुदाय जरूरी हैं। यही भारत अंतरराष्ट्रीय जल सासाह का व्यापक उद्देश्य है। इसके माध्यम से नेतृत्व, विज्ञान, योजनाओं का क्रियान्वयन, तकनीक, वित्त और जनभागीदारी को एक साझा मंच पर लाया जाएगा। 22 से 26 सितंबर तक भारत मंडयम भारत के जल क्षेत्र के अनुभवों और दुनिया भर के जल संबंधी ज्ञान का केंद्र बनेगा। हम बड़े स्तर पर योजनाओं को लागू करने से मिले अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार हैं। साथ ही, हम दूसरों के अनुभवों को सुनने और उनसे सीखने के लिए भी उतने ही तत्पर हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण जल चक्र अधिक अनिश्चित हो सकता है, लेकिन हमारा जवाब अनिश्चित नहीं होना चाहिए। हमारा प्रयास सामूहिक, वैज्ञानिक, समावेशी और निरंतर होना चाहिए। चाहे गाँव का तालाब हो, भूजल का स्रोत हो, नदी घाटी हो या बदलती हुई वैश्विक जलवायु- सबसे एक ही सीख मिलती है: जल हम सभी को जोड़ता है। जल के भविष्य को केवल सरकारें सुरक्षित नहीं कर सकतीं। न ही कोई एक संस्था या देश अकेले ऐसा कर सकता है। जल हमारा साझा संसाधन है। जल सुरक्षा हमारी साझा जिम्मेदारी है।



18 वर्ष पूरा कर चुके युवा मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य कराएं दर्ज

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए यह बेहद जरूरी है कि मतदाता सूची भी अद्यतन, पारदर्शी और विश्वसनीय हो। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसमें मतदाता सूची का सत्यापन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने एक्स पर कहा है कि विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर किसी भी तरह के भ्रम या अफवाह पर ध्यान न दें। फॉर्म 6 और डिक्लरेशन सहित पूरी प्रक्रिया निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित है। सही जानकारी के लिए सिर्फ निर्वाचन आयोग की अधिकारिक जानकारी और निर्धारित प्रक्रिया पर ही विश्वास करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के युवाओं से अपील की है कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सभी युवा अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज कराएं और प्रत्येक नागरिक अपने नाम की भी पुष्टि करें। उन्होंने कहा कि आईए, हम अपनी जिम्मेदारी निभाएं और एक विश्वसनीय मतदाता सूची के निर्माण में सहभागी बनें।

बिना अनुमति निर्माण पर नगर निगम की कोहेफिजा में बड़ी कार्रवाई

भोपाल। भोपाल के कोहेफिजा क्षेत्र में बिल्डिंग परमिशन के विपरित किए गए अतिरिक्त निर्माण और अतिक्रमण के मामले में नगर निगम की टीम ने सोमवार को कार्रवाई की। निगम ने पहले संबंधित भवन मालिक को नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने को कहा था, लेकिन जब नहीं हटया तो अमला खुद मैदान में उतर गया। मामला वार्ड नंबर-7 स्थित सूफिया मस्जिद के पास अहमदाबाद पैलेस रोड कोहेफिजा का है। भूखंड क्रमांक-54 पर समीना कबीर एवं हामिद कबीर के नाम से भवन निर्माण की अनुमति जारी की गई थी। निर्माण को लेकर आसिम अलवी ने निगम को शिकायत की थी। आरोप लगाया था कि स्वीकृत भवन अनुज्ञा के विपरित निर्माण किया गया है। साथ ही भवन के सामने और साइड में आवश्यक खुला स्थान नहीं छोड़ा गया और गली की ओर छज्जों को निर्धारित सीमा से अधिक आगे बढ़ाया गया है। गली की चौड़ाई और आवागमन में बाधा को लेकर भी शिकायत में आपत्ति दर्ज कराई गई थी। नगर निगम की टीम ने सोमवार को मौके पर पहुंचकर नियम विरुद्ध निर्माण और अतिक्रमण के संबंध में कार्रवाई शुरू की। इस दौरान मकान मालिक की ओर से अतिक्रमण स्वयं हटाने के लिए 10 दिन का समय मांगा। आश्वासन दिया कि निर्धारित अवधि में अतिक्रमण हटा दिया जाएगा। मकान मालिक के इस आश्वासन के बाद नगर निगम ने फिलहाल अपनी कार्रवाई रोक दी है।

शिक्षा से होगी तरक्की की राह प्रशस्त, बच्चों को नियमित रूप से भेजें स्कूल

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने सोमवार को शासकीय माध्यमिक एकीकृत शाला, अमरावत खुर्द में आयोजित कार्यक्रम में कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थियों को स्कूली बैग वितरित करते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन में सर्वांगीण विकास और प्रगति का मूल आधार है। जो विद्यार्थी निष्ठा एवं लगन से विद्या अध्ययन करता है,वह तरक्की और सफलता के नए शिखरों को स्पर्श करता है। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्हें नियमित रूप से विद्यालय अवश्य भेजें, शिक्षित एवं गुणी बाल-पौढ़ी ही अपने परिवार के जीवन स्तर को उन्नत बनाने के साथ समाज और राष्ट्र के नवनिर्माण में महती भूमिका निभाती है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने उपस्थित विद्यार्थियों से आत्मयी संवाद स्थापित कर उन्हें लगनपूर्वक अध्ययन करने तथा जीवन में उच्च लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि गुरुगर्वा का सम्मान करने वाले तथा अनुशासित रहकर शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को जीवन में सफलता प्राप्त करने से कोई शक्ति नहीं रोक सकती। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने विद्यालय परिसर में मध्याह्न भोजन व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर विद्यालय के संचालन की समयबद्धता,पठन-पाठन का स्तर और भोजन की गुणवत्ता एवं पर्याप्तता के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की।

सेवा संकल्प ज्योति यात्रा की तैयारियों को लेकर मंत्री सारंग ने ली बैठक

भोपाल। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सेवा संकल्प ज्योति यात्रा की तैयारियों को लेकर नरेला विधानसभा के प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक में उन्होंने यात्रा की तैयारियों, आयोजन की रूपरेखा एवं कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की तथा आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की सेवा को समाज के प्रत्येक वर्ग को अवगत कराने के उद्देश्य से 7 अक्टूबर को देशभर में एक साथ सेवा संकल्प ज्योति यात्रा निकाली जा रही है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि नरेला विधानसभा के सभी बूथों से यात्रा निकलते हुए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भोपाल जिला मुख्यालय पर एकत्रित होंगी। सेवा ज्योति यात्रा में प्रत्येक बू्थ से 20-20 कार्यकर्ता और लाभार्थी शामिल होंगे। सबसे पहले बू्थ कार्यकर्ता बाइक से अपने-अपने बू्थ का भ्रमण करते हुए मंडल मुख्यालय पर पहुंचेंगे। मंडल पर एकत्रित होकर सभी कार्यकर्ता विधानसभा मुख्यालय पर पहुंचेंगे। विधानसभा मुख्यालय से जिला मुख्यालय पहुंचेंगे। कार्यक्रम स्थल से 1 या 2 किमी दूर से पदयात्रा के रूप कार्यक्रम स्थल जहां विकसित भारत संकल्प सभा होना है वहां पहुंचेंगे।

किसान हित में सहकारी ऋण व्यवस्था को बनाया जा रहा है सरल एवं किसान हितैषी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने चंगेरा,नीमच में बलराम कृषि महोत्सव में किसानों से किया सीधा संवाद

भोपाल। किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत बलराम कृषि महोत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम सोमवार को जिला मंडी,चंगेरा, नीमच में आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने खंडवा जिले से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए नीमच के किसानों से सीधा संवाद किया। उन्होंने किसानों से कृषि गतिविधियों, शासन की किसान हितैषी योजनाओं से मिल रहे लाभ, कृषि क्षेत्र में नवाचार तथा किसानों की आवश्यकताओं के संबंध में बात की। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि नीमच जिला उन्नत कृषि,आधुनिक खेती एवं कृषि व्यापार के क्षेत्र में प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। जिले में अश्रंगध्वा, इसबनोत,तुलसी, सावरी, चिरायता, आंवला, बहेरा और नीम सहित विभिन्न औषधीय फसलों का उत्पादन होता



है। चिया सीड, लहसुन,मेथी एवं धनिया सहित अनेक कृषि उत्पादों के उत्पादन एवं व्यापार में भी नीमच की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री ने किसानों को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ एवं आधारशिला बताया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने नीमच कृषि उपज मंडी की कृषि व्यापार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका उल्लेख करते हुए कहा

कि नीमच मंडी ए-ग्रेड मंडी है और औषधीय फसलों के व्यापार के लिए एशिया के प्रमुख केंद्रों में अपनी पहचान रखती है। वर्ष 2023-24 में मंडी में 53.46 लाख किंटल कृषि उपज की आवक हुई थी, जो वर्ष 2025-26 में बढ़कर लगभग 72 लाख किंटल हो गई। इसी अवधि में मंडी की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई और वर्ष 2025-

पदोन्नत अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम को किया संबोधित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कृषि विभाग ने प्रदेश में किसानों के कल्याण और सशक्तिकरण का उदाहरण प्रस्तुत किया है। कृषि विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की मेहनत, निष्ठा और समर्पण का परिणाम है कि आज मध्यप्रदेश देश की फूड बॉस्केट बन चुका है। परम्परागत खेती से लेकर तकनीकी नवाचार और उद्योग तक विभाग के कर्मचारी-अधिकारी किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं। प्रदेश में कृषि विभाग सिर्फ डिपार्टमेंट का नाम नहीं यह, डेवलपमेंट का भी नाम है। कृषि में ही मध्यप्रदेश का विकास छुपा है, इस दृष्टि से मध्यप्रदेश की सुख-समृद्धि का रास्ता कृषि



विभाग से होकर जाता है। प्रदेश के माथे से बीमारू राज्य का कलंक हटाने में बड़ी भूमिका कृषि विभाग की रही है। कृषि विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की ही टीम है जो सरकार की कृषि योजनाओं

और नीतियों को फाईलों से निकालकर खेत की मेڑों तक पहुंचाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के पदोन्नत शासकीय सेवकों द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव के

भारत में जन्मी मादा चीता केजेपी-21 ने पांच स्वस्थ शावकों को दिया जन्म



मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर साझा की जानकारी

भोपाल। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिला स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में केन्द्र सरकार की चीता परियोजना में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हुई है। भारतीय धरती पर जन्मी 32 माह की मादा चीता केजेपी-21 ने पांच स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 60 हो गई है, जिसमें 41 भारतीय धरती पर जन्मे चीते शामिल हैं। यह जानकारी सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर साझा की है। उन्होंने मादा चीता के शावकों का एक वीडियो और फोटो भी शेयर किया है, साथ ही इसे

प्रोजेक्ट चीता के लिए एक और गर्व का पल बताया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रोजेक्ट चीता से जुड़े वन्य अधिकारियों, पशु चिकित्सकों, मैदानी अमले, प्रबंधन टीम तथा सभी सहयोगियों को बधाई दी है। उन्होंने लिखा कि भारत में जन्मी मादा चीता केजेपी-21 ने कूनो नेशनल पार्क में पांच स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही भारत में चीतों की कुल संख्या 60 हो गई है, जिसमें भारत में जन्मे 41 चीते शामिल हैं। पूरे प्रोजेक्ट चीता और कूनो टीम को बहुत-बहुत बधाई। यह भारत की चीता आबादी को फिर से बसाने और वन्यजीव संरक्षण को मजबूत करने की दिशा में एक और अहम उपलब्धि है। कूनो प्रबंधन के अनुसार, केजेपी

मप्र में हर 75 किलोमीटर पर एयरस्ट्रिप और हर 45 किलोमीटर पर हेलीपैड



प्रदेश को मिलेगा शासकीय विमान,वार्टेंट विमान पर निर्भरता होगी समाप्त

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में विमानन सेवाओं और अधोसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। नागरिकों को बेहतर हवाई कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के साथ ही आपातकालीन सेवाओं, पर्यटन और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को मजबूत करने के लिए एयरपोर्ट, एयरस्ट्रिप और हेलीपैड के नेटवर्क का नागरिक विमानन नीति-2025 के अंतर्गत विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश में एयरपोर्ट बढ़कर 8 हो गए हैं और शीघ्र ही इनकी संख्या 10 हो जाएगी। इसी तरह से प्रदेश से अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों की संख्या भी

निरंतर बढ़ रही है। पहले दुबई और अब अबूधाबी के साथ इंदौर का हवाई संपर्क स्थापित हुआ है। सिंहस्थ-2028 के लिये भी दताना-मताना एयरपोर्ट का विस्तार हो रहा है। नए एयरपोर्ट के विकास, सभी विधानसभा क्षेत्रों में स्थायी हेलीपैड का निर्माण और पीएमश्री एयर एम्बुलेंस एवं पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा से प्रदेश में हवाई सुविधाएं अधिक सुगम और व्यापक हो रही हैं। मध्यप्रदेश में वर्तमान में 8 एयरपोर्ट, 20 से अधिक एयरस्ट्रिप और 220 हेलीपैड हैं। वर्ष 2023-24 में प्रदेश में 5 प्रमुख एयरपोर्ट इंदौर,भोपाल,जबलपुर, ग्वालियर और खजुराहो संचालित थे। वर्ष 2024-25 में रीवा, दतिया और सतना को जोड़कर एयरपोर्ट की संख्या 8 हो गई है। उज्जैन और शिवपुरी में एयरपोर्ट के विकास का कार्य प्रगति पर है। प्रदेश में हवाई सुविधाओं को बेहतर हवाई कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के साथ ही आपातकालीन सेवाओं, पर्यटन और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को मजबूत करने के लिए एयरपोर्ट, एयरस्ट्रिप और हेलीपैड के नेटवर्क का नागरिक विमानन नीति-2025 के अंतर्गत विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश में एयरपोर्ट बढ़कर 8 हो गए हैं और शीघ्र ही इनकी संख्या 10 हो जाएगी। इसी तरह से प्रदेश से अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों की संख्या भी



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खंडवा जिले के हरसूद में रानी दुर्गावती जन्मोत्सव में मुख्यमंत्री स्कूटी वितरण योजना अंतर्गत प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्कूटी वितरित कर संवाद किया।

मध्यप्रदेश के स्कूलों में स्थापित होगी अब ‘बालिका गरिमा’ कसौटी



राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की बालिकाओं पर रहेगी खास नजर

भोपाल। मध्य प्रदेश में राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने स्कूलों में पढ़ने वाली बालिकाओं के लिए विद्यालय में सुरक्षित, स्वच्छ और गरिमापूर्ण वातावरण सुलभ कराने के इरादे से राज्य के सरकारी और अशासकीय विद्यालयों में बालिकाओं के लिए शौचालय, पानी, सुरक्षा, सेनेटी पैड से लेकर गोपनीय शिकायत तंत्र तक सभी जरूरी सुविधाओं के आकलन और उनकी निगरानी का एक व्यापक ढांचा तैयार करने की पहल की है। आयोग अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा ने मध्य प्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र भेजकर ‘बालिका गरिमा सूचकांक’ (गलं डिनिटी इंडेक्स) विकसित करने और उसके आधार पर विद्यालयों

नहीं होने दिया। राज्य सरकार ने एक साथ 3 हजार 357 शासकीय सेवकों को पदोन्नति का लाभ दिया है। इसमें किसान कल्याण और कृषि विभाग के 1 हजार 725, मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के 1 हजार 439, कृषि अभियांत्रिकी के 149, बीज प्रमाणिकरण के 36 और बीज निगम के 8 कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ मिला है। इसके साथ ही 44 युवाओं को सहायक वर्ग-3 के रूप में अनुकम्पा नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं। राज्य सरकार हर कदम पर विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ है। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंपनी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कर्मचारियों की परेशानी को समझा और पदोन्नति देकर उसे दूर भी किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी में मध्यप्रदेश को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

नगरीय निकायों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नगर पालिका परिषद वारासिवनी भी पुरस्कृत

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सभी के लिए आवास के संकल्प को मध्यप्रदेश की धरा पर साकार करने की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता और प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के कुशल मार्गदर्शन एवं दूरदर्शी नेतृत्व के फलस्वरूप मध्यप्रदेश को प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी पुरस्कार-2026 से पुरस्कृत किया गया है। विश्व आवास दिवस पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू ने यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया। राज्य शासन की ओर से नगरीय विकास एवं आवास विभाग आयुक्त संकेत भोंडवे तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के राज्य मिशन संचालक शिशिर गेमावत ने पुरस्कार प्राप्त किया। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (पीएमएवाई-यू) के बी.एल.सी. (लाभार्थी आधारित निर्माण) घटक के सर्वोत्कृष्ट एवं

सुव्यवस्थित क्रियान्वयन तथा स्वीकृत आवासों की तुलना में सर्वाधिक पक्के आवासों का निर्माण पूर्ण कराने में मध्यप्रदेश संपूर्ण देश में अग्रणी रहा है। एक लाख से कम आबादी वाले नगरीय निकायों की श्रेणी में उत्कृष्ट कीर्तिमान स्थापित करते हुए नगर पालिका परिषद वारासिवनी को भी बी.एल.सी. घटक के अंतर्गत सर्वाधिक आवास पूर्ण करने पर राष्ट्रीय स्तर पर विशेष रूप से अलंकृत किया गया। आयुक्त नगरीय विकास एवं आवास श्री भोंडवे ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी से प्रदेश के लाखों वंचित एवं जरूरतमंद शहरी परिवारों के अपने पक्के घर का स्वप्न साकार हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव के नेतृत्व में राज्य में योजना का पारदर्शी, प्रभावी एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जा रहा है। मिशन संचालक श्री गेमावत ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश में योजना के विभिन्न घटकों के अंतर्गत अब तक 10 लाख से अधिक आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनमें से 9 लाख से अधिक निर्मित आवास हितग्राहियों को सौंपे जा चुके हैं।

कार्ल डाइसेरोथ, पीटर हेगेमैन और जॉर्ज नागेल को वर्ष 2026 का चिकित्सा का संयुक्त नोबेल पुरस्कार

स्टॉकहोम,। कार्ल डाइसेरोथ, पीटर हेगेमैन और जॉर्ज नागेल को प्रकाश-सक्रिय आयन चैनलों और ऑप्टोजेनेटिक्स से संबंधित खोजों के लिए वर्ष 2026 का चिकित्सा क्षेत्र का नोबेल पुरस्कार दिए जाने की सोमवार को घोषणा की गई। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम स्थित कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट की नोबेल असेंबली ने इसका ऐलान किया। पुरस्कार तीनों वैज्ञानिकों को संयुक्त रूप से प्रदान किया जाएगा। नोबेल असेंबली के अनुसार इन वैज्ञानिकों की खोजों ने न्यूरोसाइंस के एक नए युग की नींव रखी है। इस वर्ष नोबेल पुरस्कार की राशि 1.2 करोड़ स्वीडिश क्रोना (लगभग 11.51 करोड़ रुपये) है। यह राशि तीनों विजेताओं के बीच समान रूप से बांटी जाएगी। नोबेल पुरस्कार विजेताओं को एक प्रशस्ति-पत्र और पदक भी प्रदान किया जाएगा। तीनों वैज्ञानिकों को प्रकाश-सक्रिय



आयन चैनलों और ऑप्टोजेनेटिक्स से संबंधित खोजों के लिए संयुक्त रूप से यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। ऑप्टोजेनेटिक्स ऐसी तकनीक है, जिसमें

प्रकाश की सहायता से तंत्रिका कोशिकाओं की गतिविधि को नियंत्रित किया जाता है। इसके माध्यम से तंत्रिका कोशिकाओं को सक्रिय या निष्क्रिय किया जा सकता है। पीटर हेगेमैन और जॉर्ज नागेल ने चैनलरोडोप्सिन प्रोटीन की खोज की। इसके तंत्रिका कोशिकाओं के लिए प्रकाश-नियंत्रित स्विच में बदल दिया। कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट स्थित नोबेल असेंबली की ओर से जारी बयान में कहा गया कि इन पुरस्कार विजेताओं ने न्यूरोसाइंस के एक नए युग की नींव रखी है। चिकित्सा क्षेत्र के लिए नोबेल समिति के अध्यक्ष पेर स्वेन्सनसन ने कहा, ऑप्टोजेनेटिक्स मस्तिष्क की मैपिंग के ऐसे अवसर प्रदान करता है, जिसकी हम कभी केवल कल्पना ही कर सकते थे। कार्ल डाइसेरोथ स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के सिराक्यूज यूनिवर्सिटी में पोस्टडॉक्टोरल बायोइंजीनियरिंग तथा मनोचिकित्सा एवं

व्यवहार विज्ञान के डीएच चेन प्रोफेसर हैं। वह हार्वर्ड ह्यूजेस मेडिकल इंस्टीट्यूट में अन्वेषक भी हैं। डाइसेरोथ ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री तथा स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से पीएचडी और एमडी की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने स्टैनफोर्ड में ही पोस्टडॉक्टोरल प्रशिक्षण, मेडिकल इंटरनशिप और वयस्क मनोचिकित्सा में रजिडेंसी पूरी की। वे अमेरिकन बोर्ड ऑफ साइकियाट्री एंड न्यूरोलांजी से बोर्ड-प्रमाणित हैं। पीटर हेगेमैन जर्मनी के बर्लिन स्थित हम्बोल्ट यूनिवर्सिटी ऑफ बर्लिन के जीवन विज्ञान संकाय के जीव विज्ञान विभाग में न्यूरोसाइंस के हर्ट्ज सीनियर रिसर्च चेयर और प्रायोगिक जैवभौतिकी के प्रोफेसर हैं। उन्होंने मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट ऑफ बायोकेमिस्ट्री से पीएचडी की और सिराक्यूज यूनिवर्सिटी में पोस्टडॉक्टोरल शोध पूरा किया।

नेपाल में अत्यावश्यक अभियान को छोड़कर बाढ़ खोज एवं बचाव कार्य फिलहाल स्थगित

काठमांडू। नेपाल सरकार ने भोटेकोशीझूत्रिशुली बाढ़ के बाद जारी खोज एवं बचाव अभियान को फिलहाल स्थगित करने का निर्णय लिया है। हालांकि, अत्यावश्यक खोज कार्य जारी रहेगा। प्रधानमंत्री

बालेन्द्र शाह की अध्यक्षता में आज प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय में हुई राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन परिषद की 21वाँ बैठक में संबंधित निकायों के अत्यावश्यक खोज कार्य के साथ-साथ पुनर्निर्माण और पुनर्स्थापना का काम तेजी से आगे बढ़ाने का निर्देश दिया गया। यह निर्णय जिला सुरक्षा समिति, जिला आपदा प्रबंधन समिति, राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन प्राधिकरण की कार्यकारी समिति की सिफारिशों और मौके पर किए गए निरीक्षण के आधार पर लिया गया। बैठक में प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण और पुनर्स्थापना के लिए विभिन्न मंत्रालयों एवं निकायों से प्राप्त 504 योजनाओं और कार्यक्रमों के लिए 5 खर्व 59 अरब 17 करोड़ 72 लाख

27 हजार नेपाली रुपये के बजट की स्वीकृति के लिए वित्त मंत्रालय को सिफारिश भेजने का निर्णय लिया गया।

आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व नियमावली, 2077 के तहत स्वीकृत इन योजनाओं के लिए वित्त मंत्रालय के माध्यम से आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की जाएगी। जिन परियोजनाओं की लागत का अनुमान अभी तय नहीं हुआ है या जिनका प्राथमिकता निर्धारण बाकी है, उनकी जानकारी मिलने के बाद आवश्यक बजट व्यवस्था के लिए वित्त मंत्रालय को सिफारिश करने का निर्देश राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन प्राधिकरण को दिया गया है। बैठक में प्रधानमंत्री शाह ने कहा कि आपदा प्रबंधन का काम संघीय, प्रांतीय और स्थानीय सरकारों के समन्वय से किया जा रहा है और अब पुनर्निर्माण एवं पुनर्स्थापना का काम भी इसी समन्वय के साथ आगे बढ़ाया जाएगा।

ईरान ने स्टारलिनक ऑपरेशन्स को लेकर नॉर्वे के राजदूत को तलब किया

तेहरान। ईरान ने स्टारलिनक ऑपरेशन्स को लेकर नॉर्वे के राजदूत को तलब किया है। यह कदम ईरान के कुछ हिस्सों में बिना इजाजत चल रहे स्टारलिनक सैटेलाइट इंटरनेट ऑपरेशन्स पर ओस्लो की लगातार कोई कार्रवाई न करने की नीति के विरोध में उठाया गया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के सरकारी प्रेस टीवी ने जारी विवरण में कहा कि ईरान के विदेश मंत्रालय के डायरेक्टर जनरल मोहम्मद हसननेजाद पिरकूही ने रविवार को राजदूत पाल ब्योनस्टेड को बुलाकर विरोध का आधिकारिक नोट सौंपा। पिरकूही ने अमेरिका और इजराइल पर आरोप लगाया कि

वे स्टारलिनक का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ हस्तक्षेप करने वाले एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए सुनियोजित तरीके से गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि स्टारलिनक का संबंध अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स से है। उन्होंने कहा कि नॉर्वे संयुक्त राष्ट्र के इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन में स्टारलिनक सेवाओं के लिए रजिस्टर करने वाले देश के तौर पर अपनी कानूनी जिम्मेदारी को पूरा करने में नाकाम रहा है। उन्होंने कहा, नॉर्वे सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह ईरानी इलाके में बिना इजाजत स्टारलिनक ट्रांसमिशन को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए।

ईरान के तेल मंत्री मोहसेन पाकनेजाद ने पद से दिया इस्तीफा

दुबई। ईरान के तेल मंत्री मोहसेन पाकनेजाद ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। सरकारी मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। हालांकि, उनके इस्तीफे की कोई वजह नहीं बताई गई है। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकिनय ने इस्तीफा स्वीकार करते हुए सरकारी स्वामित्व वाली नेशनल ईरानी ऑयल कंपनी (एनआईओसी) के प्रमुख हमीद बोवार्ड को कार्यवाहक तेल मंत्री नियुक्त किया है। पाकनेजाद अगस्त 2024 से ईरान के तेल मंत्री के पद पर थे। उनका इस्तीफा ऐसे समय हुआ है, जब ईरान की अर्थव्यवस्था पर अमेरिका के साथ सात महीने से जारी युद्ध और उससे जुड़े दबावों का असर पड़ रहा है।

नेपाली कांग्रेस महाधिवेशन की सफलता के लिए भाजपा और कांग्रेस ने भेजे शुभकामना संदेश

काठमांडू। नेपाल की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी नेपाली कांग्रेस के 15वें राष्ट्रीय महाधिवेशन की सफलता के लिए भारत के सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रमुख विपक्षी दल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस—दोनों की ओर से शुभकामना संदेश भेजे गए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नेपाली कांग्रेस के सभापति गगन थापा की अलग-अलग पत्र भेजकर महाधिवेशन की सफलता की कामना की है। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के भेजे पत्र में नेपाली कांग्रेस के 15वें राष्ट्रीय महाधिवेशन के उद्घाटन सत्र में शामिल होने के निमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व और सभी सदस्यों को सफल महाधिवेशन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह अवसर नेपाली कांग्रेस को और मजबूत करेगा तथा नेपाल की लोकतांत्रिक यात्रा में योगदान देगा।

नवीन ने हाल में नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में भारत नेपाल के प्रभावित लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत राहत एवं पुनर्वास के जारी प्रयासों में सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा अध्यक्ष ने पत्र में अपनी पार्टी और नेपाली कांग्रेस के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी पार्टी दोनों दलों के बीच पार्टी-टू-पार्टी संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ने की उम्मीद करती है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पत्र में गगन थापा के निमंत्रण के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि नेपाली कांग्रेस का 15वां राष्ट्रीय महाधिवेशन लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय जैसे विषयों पर विचार-विमर्श का महत्वपूर्ण अवसर है।

रूग्णका आवाजहरू में फल-फूल रहा नवजात को गोद लेने का अवैध धंधा

काठमांडू। काठमांडू में चर्च की फॉइंग से संचालित ‘रूग्णका आवाजहरू’ संस्था के बारे में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। आरोप है कि 18 से 22 वर्ष की युवतियों को गर्भवती होने को मजबूर किया जाता है। यही नहीं, उनके नवजात बच्चों को गैरकानूनी तरीके से धर्मपुत्र-धर्मपुत्री के रूप में दूसरे परिवारों को सौंपा जाता है। जांच में चर्च और इस संस्था के पदाधिकारियों के इस अवैध गतिविधि में शामिल होने की बात सामने आई है। बताया गया है कि गर्भवती होने के बाद जो युवतियां यह चाहती थीं कि वह बच्चे को अपने पास नहीं रखना चाहती, उन्हें संस्था के शेल्टर में रखा जाता था। वहां बच्चे को जन्म देने के बाद उसके नवजात को कथित तौर पर कानूनी प्रक्रिया पूरी किए बिना दूसरे लोगों को सौंप दिया जाता था। नेपाल के प्रचलित कानून के अनुसार नेपाल के भीतर किसी बच्चे को धर्मपुत्र या धर्मपुत्री के रूप में देने के लिए जिला अदालत की अनुमति अनिवार्य है। अदालत कानूनी शर्तों की जांच के बाद ही बच्चे को गोद देने की अनुमति दे सकती है। जांच के अनुसार, अमेरिकी संस्था ‘लाइफ इंटरनेशनल’, ‘10/40 कनेक्शन’ और नेपाली चर्च समाज की आर्थिक सहायता से चलने वाली इस संस्था में अनचाहे गर्भ वाली युवतियों को शेल्टर में रखा जाता था।

सना (यमन)। सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन में सरकार को बहाल करने और हूती को हराने का संकल्प लिया है। यमन में लड़ रहे सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर-जनरल तुर्की अल-मलिकी का कहना है कि यह समूह यमनी सरकारी बलों को सरकार को बहाल करने और हूती के तख्तापटव को खत्म करने के लिए हर तरह की मदद देना जारी रखेगा। अल-मलिकी ने एक्स में कहा कि यमन और सऊदी अरब ने लाल सागर व बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य में सऊदी जहाजों पर हूती हमलों की निंदा की है। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब अपनी सुरक्षा और संप्रभुता के साथ-साथ क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करना जारी रखेगा। उल्लेखनीय है कि 2022 में संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से हुए संघर्ष विराम के बाद बड़े पैमाने पर लड़ाई रुकने के बाद नए सिर्रे से शुरू हुई झड़पें सबसे गंभीर हैं। इस बीच यमन की प्रेसिडेंसियल लीडरशिप कार्डौशल के प्रमुख रशाद अल-अलोमी ने ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों को वापस लेने के लिए बड़े सैन्य अभियानों की शुरुआत की घोषणा की है। इस पर यमन के रक्षा विशेषज्ञ इब्राहिम जसाल का कहना है कि यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार और उसके सहयोगियों के सामने हूती एक ऐसे प्रतिद्वंद्वी के तौर पर खड़े हैं, जो हाल के वर्षों में एक बहुत ताकतवर सेना बन गए हैं। उन्होंने कहा कि हूती अब बाब अल-मंदेब में तेजी से आगे बढ़ चुके हैं। अब वह अहम पहलों पर कब्जा करके और ताइज शहर की अदन (यमनी सरकार की अंतरिम राजधानी) और लाहिज प्रांत से अलग-थलग करके अपनी बढ़त को सुरक्षित करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे अदन पर दबाव बढ़ेगा और आर्थिक केंद्र यानी मारिब शहर की ओर इलाके पर कब्जा बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि उस शहर पर अभी कम दबाव है, लेकिन संभावना है कि आखिरकार वह अगला मुख्य केंद्र बन जाएगा।

यूक्रेन में भारतीय फार्मा कंपनी के कारखाने पर रूसी ड्रोन हमला, एक की मौत

कीव। यूक्रेन में एक भारतीय फार्मा कंपनी के कारखाने पर रूस ने ड्रोन हमला किया है। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि कारखाने भारत के कुसुम समूह का है। हमले के बाद यूक्रेन के सूची में स्थित इस कारखाने की मुख्य संरचना लगभग पूरी तरह से नष्ट हो गई है। घटनास्थल से सामने आए एक वीडियो में धुंआ उठता देखा जा सकता है। बीते 24 घंटे में रूसी हमलों में यूक्रेन में 6 लोगों की मौत हुई है और 28 घायल हुए हैं। यूक्रेन ने बताया कि इस दौरान 135 ड्रोन दोगे गए, जिनमें से 123 की मार गिरायी गयी। इस दौरान कीव में 17 बार हवाई हमले के अलर्ट जारी किए गए। सुमी के जरीचनी जिले में 5 गाइडेंडे बम गिरे, जिनसे एक इमारत को नुकसान पहुंचा। इस घटना में 5 लोग घायल हुए, जिनमें से 2 की हालत गंभीर है। कुसुम समूह की शुरुआत 1994 में यूक्रेन को भारतीय दवाइयों का निर्यात करने वाले वितरक के रूप में हुई थी। फिलहाल इसका संचालन राजीव गुप्ता कर रहे हैं। 2002 में कंपनी ने खुद के उत्पाद बनाना शुरू किया। बाद में कंपनी ने विनिर्माण क्षेत्र में कदम रखा और 2007 में भारत में और 2009 में यूक्रेन के सूची में संयंत्र खोले। बाद में भारत में 2 और संयंत्र स्थापित किए गए। कंपनी 9 देशों में अपने उत्पाद बेचती है।



क्रोएशिया में रेत से बनायी कलाकृति पेश एक समारोह में बनायी गयी।

ईरान ने स्टारलिनक ऑपरेशन्स को लेकर नॉर्वे के राजदूत को तलब किया

तेहरान। ईरान ने स्टारलिनक ऑपरेशन्स को लेकर नॉर्वे के राजदूत को तलब किया है। यह कदम ईरान के कुछ हिस्सों में बिना इजाजत चल रहे स्टारलिनक सैटेलाइट इंटरनेट ऑपरेशन्स पर ओस्लो की लगातार कोई कार्रवाई न करने की नीति के विरोध में उठाया गया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के सरकारी प्रेस टीवी ने जारी विवरण में कहा कि ईरान के विदेश मंत्रालय के डायरेक्टर जनरल मोहम्मद हसननेजाद पिरकूही ने रविवार को राजदूत पाल ब्योनस्टेड को बुलाकर विरोध का आधिकारिक नोट सौंपा। पिरकूही ने अमेरिका और इजराइल पर आरोप लगाया कि

वे स्टारलिनक का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ हस्तक्षेप करने वाले एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए सुनियोजित तरीके से गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि स्टारलिनक का संबंध अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स से है। उन्होंने कहा कि नॉर्वे संयुक्त राष्ट्र के इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन में स्टारलिनक सेवाओं के लिए रजिस्टर करने वाले देश के तौर पर अपनी कानूनी जिम्मेदारी को पूरा करने में नाकाम रहा है। उन्होंने कहा, नॉर्वे सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह ईरानी इलाके में बिना इजाजत स्टारलिनक ट्रांसमिशन को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए।

फ्लाईदुबई के विमान को हार्डजैक करने की कोशिश करने वाला को-पायलट लोन वुल्फ

तेल अबीव। इजराइल की प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि फ्लाईदुबई के विमान को हार्डजैक करने की कथित कोशिश शायद एक लोन-वुल्फ हमला था। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू को विमान के यात्रियों और फ्लाइट कैप्टन ने बताया कि बुधवार को दुबई से तेल अबीव जा रही फ्लाइट जब इजराइल के पास पहुंच रही थी, तब को-पायलट ने कथित तौर पर फ्लाइट कैप्टन को चाकू मारा और विमान को क़ैश करने की कोशिश की। सीबीएस न्यूज और फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, कैप्टन ने को-पायलट से लड़ते हुए कॉम्पिक्ट का दरवाजा खोल दिया। इसके बाद इजराइली यात्रियों और फ्लाईदुबई के स्टाफ के लोगों ने को-पायलट को दबोच लिया। फ्लाइट में मौजूद दो ऑफ ड्यूटी पायलटों ने विमान को अपने नियंत्रण में लेकर सऊदी अरब के तबुक में इमरजेंसी लैंडिंग कराई। को-पायलट अभी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हैं। वहां उससे इजराइल के अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं। इससे पहले सऊदी अधिकारियों ने भी उससे पूछताछ की। इजराइल ने जांच में शामिल होने के लिए अपने प्रतिनिधि यूएई भेजे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि जो मने सुना है, उसके आधार पर हो सकता है कि को-पायलट का संबंध ईरान से हो।

ख्वाजा आसिफ बोले- पीटीआई नेता बुलेट प्रुफ सरकारी गाड़ियों में चूहों की तरह छिपे



इस्लामाबाद,। पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) नेताओं पर तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि पीटीआई कार्यकर्ता सड़कों पर हथियार लेकर घूम रहे हैं। पार्टी के नेता बम फ्रफ और बुलेट फ्रफ सरकारी गाड़ियों में चूहों की तरह छिपे हुए हैं। महत्वपूर्ण यह है कि सरकार और पीटीआई के बीच इस्लामाबाद मार्च को लेकर पीटीआई के बीच इस्लामाबाद मार्च को लेकर बातचीत विफल हो चुकी है। द न्यूज और डान की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने %एक्स% पोस्ट कहा कि पार्टी के वरिष्ठ सदस्य अदालत के आदेशों का उल्लंघन कर रहे हैं। सरकारी संसाधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं और हथियारों से लैस काफिलों में घूम रहे हैं। उन्होंने विपक्षी पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि हेलीकॉप्टर, सरकारी संसाधनों और

हथियारों से लैस जुलूसों का इस्तेमाल अदालत के आदेशों का खुला उल्लंघन है। उन्होंने सवाल किया कि अगर अदालत के आदेशों का ही उल्लंघन हो रहा है, तो पीटीआई और सरकार के बीच किसी भी समझौते का सम्मान किए जाने की क्या गारंटी होगी। आसिफ ने यह भी कहा कि नेशनल एक्सन प्लान पर सभी पक्षों की सहमति और सम्मान था, लेकिन पीटीआई इसे मानने को तैयार नहीं है। उधर, खैबर पखूनख्वा के लक्की मरवत में गांधी चौक से प्रांत के मुख्यमंत्री मोहम्मद मुहैल खान अफरोदी ने मार्च शुरू कर दिया है। पीटीआई महासचिव सलमान अकरम राजा ने रविवार को कर रहे हैं और हथियारों से लैस काफिलों में घूम रहे हैं। उन्होंने विपक्षी पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि हेलीकॉप्टर, सरकारी संसाधनों और





नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री



डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

सीएम यूथ कॉन्क्लेव 2026

युवा सोच, नये अवसर, एक साझा मंच

प्रख्यात गायक
जुबिन नौटियाल
एवं कबीर कैफे बैंड
द्वारा
भव्य लाइव प्रस्तुति
प्रातः 10:00 बजे

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
के साथ

6 अक्टूबर, 2026 | पूर्वाह्न 11:00 बजे
लाल परेड ग्राउंड, भोपाल

**70+ स्टॉल, 15 विभागों
की संयुक्त भागीदारी**

युवाओं को अवसर, कौशल,
रोज़गार, नवाचार एवं
संभावनाओं से जोड़ने हेतु
समर्पित मंच

स्टार्टअप एवं उद्यमिता

युवा उद्यमियों के
फार्मास्युटिकल, मैनुफैक्चरिंग,
AI/मशीन लर्निंग और फूड
प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों के स्टार्टअप्स
की सहभागिता एवं प्रस्तुति

युवा नवाचार एवं प्रदर्शनी

AI, साइबर सिक्योरिटी, ड्रोन
टेक्नोलॉजी, विज्ञान एवं
नवाचार, कृषि क्षेत्र में रोज़गार,
फ्यूचर रेडी एजुकेशन और
टेक्नोलॉजी पर केन्द्रित

**सार्वजनिक एवं निजी
विश्वविद्यालयों की
सहभागिता**

विश्वविद्यालयों द्वारा कैरियर
मार्गदर्शन, नवाचार, उद्यमिता,
तकनीकी शिक्षा एवं रोज़गार के
अवसरों की जानकारी

**कैरियर एवं कौशल के
अवसर**

कौशल विकास, कैरियर
मार्गदर्शन और रोज़गार से जुड़ी
जानकारी एक ही स्थान पर

**शासकीय योजनाओं की
जानकारी**

पात्रता, पंजीयन, आवेदन
प्रक्रिया, प्रशिक्षण और उपलब्ध
सुविधाओं से संबंधित स्टॉल



सीधा प्रसारण

f @Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh

x @Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP

▶ jansamparkMP